www.deshkiupasana.com
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
RNI NO - UPHIN/2022/86937
जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE
सब पर नज़र, सबकी खबर

वर्ष – 04 | अंक – 211 | जौनपुर रविवार, 22 मार्च 2026 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रुपये

संक्षिप्त खबरें

एयरलाइंस पश्चिम एशिया के 9 देशों के ऊपर से उड़ान भरने से बचें

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारत की एविएशन रेगुलेटर नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने ईरान–अमेरिका, इजरायल युद्ध के कारण प्रभावित नौ देशों के एयरस्पेस का इस्तेमाल न करने का निर्देश दिया है। इन देशों में बहरीन, ईरान, इराक, इजरायल, जॉर्डन, कुवैत, लेबनान, कतर और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) का नाम शामिल है। हालांकि, नागरिक विमानन प्राधिकरण (डीजीसीए) की अधिसूचना के अनुसार, कुछ विशिष्ट शर्तों के अधीन ओमान और सऊदी अरब के ऊपर से उड़ानें संचालित करने की अनुमति दी जा सकती है। विमानन नियामक के अनुसार, अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान में हाल ही में किए गए सैन्य हमलों ने नागरिक विमानन के लिए उच्च जोखिम वाला वातावरण बना दिया है। इसमें यह भी कहा गया है कि ईरान की जवाबी कार्रवाई ने खतरे को और बढ़ा दिया है, जिससे उड़ान संचालन के लिए गंभीर जोखिम पैदा हो गए हैं। साथ ही, एयरलाइंस को सऊदी अरब और ओमान के निर्दिष्ट हवाई क्षेत्र में 32,000 फीट (एलएल 320) से नीचे उड़ान न भरने की सलाह दी गई है। नियामक ने संभावित व्यवधानों, जिनमें मार्ग परिवर्तन शामिल हैं, से निपटने के लिए व्यापक सुरक्षा जोखिम मूल्यांकन और मजबूत आकस्मिक योजनाओं की आवश्यकता पर जोर दिया। यह सलाह तत्काल प्रभाव से लागू हो गई है और 28 मार्च तक प्रभावी रहेगी, जब तक कि बदलते हालात के आधार पर इसमें पहले संशोधन न किया जाए।

भारत–म्यांमार सीमा पर 23.72 करोड़ की मेथामफेटामाइन गोलियां जब्त

नई दिल्ली, (एजेंसी)। मिजोरम के चम्फाई जिले में भारत–म्यांमार सीमा के पास सुरक्षा बलों को बड़ी सफलता हाथ लगी है। नशीले पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत असम राइफल्स और चम्फाई पुलिस की संयुक्त टीम ने भारी मात्रा में मेथामफेटामाइन गोलियां बरामद कीं। इन गोलियों की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग 23.72 करोड़ रुपए बताई जा रही है। अधिकारियों के अनुसार, यह संयुक्त अभियान सीमा क्षेत्र के एक संवेदनशील मार्ग ह्युनह्लेत्था रोड के पास चलाया गया। इस इलाके को तस्करी के लिहाज से संवेदनशील माना जाता है, जहां से अक्सर अवैध गतिविधियों की सूचनाएं मिलती रहती हैं। इसी आधार पर सुरक्षाबलों ने सघन तलाशी अभियान शुरू किया। तलाशी के दौरान टीम को मौके पर एक लावारिस वाहन संदिग्धा अवस्था में खड़ा मिला।

जब सुरक्षा कर्मियों ने वाहन की बारीकी से जांच की, तो उसमें छिपाकर रखी गई भारी मात्रा में मेथामफेटामाइन गोलियां बरामद हुईं। कुल 7.907 किलोग्राम नशीला पदार्थ जब्त किया गया, जो हाल के समय में इस क्षेत्र की सबसे बड़ी बरामदगियों में से एक माना जा रहा है।

सनातन विरोध वाले स्थानों पर नहीं जाती वर्तमान पीढ़ी : सीएम योगी

अयोध्या, (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने चौत्र नवरात्रि के प्रथम दिवस पर गुरुवार को श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में श्रीराम यंत्र की प्रतिष्ठापना की। इस अवसर पर राष्ट्रपति की उपस्थिति में गोरक्षपीठाधीश्वर व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी अपने विचार रखे। उन्होंने सबसे पहले प्रदेशवासियों को भारतीय नवसंवत्सर की शुभकामना दी। सीएम योगी ने कहा कि सरयू मैया अयोध्या धाम को पवित्र करते हुए अपने निर्मल जल से पूरे क्षेत्र को पवित्र करती हैं। उन्होंने रामराज्य की अनुभूति का जिक्र करते हुए कहा कि दुनिया में युद्ध चल रहे हैं और हम श्रीराम यंत्र की प्रतिष्ठापना कार्यक्रम में सहभागी बन रहे हैं। उन्होंने वर्तमान पीढ़ी की प्रशंसा की और कहा कि यह पीढ़ी नववर्ष पर ऐसे किसी टूरिस्ट डेस्टिनेशन पर नहीं जाती, जहां सनातन के विरोध में कोई कार्य हो रहा है। वह नए वर्ष पर परिवार के साथ मंदिर जाती है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व–मार्गदर्शन में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर निर्माण के लिए भूमि पूजन, श्रीरामलला की प्राण–प्रतिष्ठा, रामदरबार के पवित्र विग्रह की स्थापना, ध्वजा आरोहण और आज श्रीराम यंत्र की स्थापना का कार्यक्रम हर सनातन धर्मावलंबी व सच्चे भारतीय को आनंद से विभोर कर देता है और यही भारत की आस्था है। उन्होंने विपक्षी दलों पर भी निशाना साधते हुए कहा कि आस्था को अंधविश्वास कहकर अपमानित किया गया था। इसे अपमानित करने वाले वही लोग हैं, जो सत्ता बचाने के लिए नोएडा नहीं जाते थे। नोएडा न जाना उनके लिए अंधविश्वास नहीं था, लेकिन राम मंदिर, काशी विश्वनाथ धाम, कृष्ण–कन्हैया के मथुरा–वृंदावन की बात करना अंधविश्वास का पर्याय था। लेकिन जो आस्था 500 वर्ष तक निरंतर बनी रही, संघर्षों का मुकाबला करती रही, वह न रुकी, न डिगी और न झुकी। आस्था को अपमानित करने वाली सत्ता के खिलाफ संघर्ष निरंतर जारी रहा।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू पहुंचीं राधा केली कुंज, संत प्रेमानंद महाराज से लीं आध्यात्मिक सीख

नई दिल्ली, (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उत्तर प्रदेश के अपने दौरे के दूसरे दिन शुक्रवार सुबह संत प्रेमानंद से मुलाकात कर उनसे आध्यात्मिक चर्चा की। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। राष्ट्रपति 19 मार्च से उत्तर प्रदेश के तीन दिवसीय दौरे पर हैं। बृहस्पतिवार को अयोध्या में दर्शन–पूजन के बाद वह मथुरा पहुंचीं, जहां उन्होंने मंदिरों में पूजा–अर्चना की और कई अन्य कार्यक्रमों में भाग लिया। शुक्रवार सुबह उन्होंने आध्यात्मिक कार्यक्रमों से दिन की शुरुआत की। राष्ट्रपति राधा केली कुंज स्थित संत प्रेमानंद महाराज के आश्रम पहुंचीं, जहां उन्होंने संत के प्रवचन सुने। यह सप्ताह इसलिए भी विशेष है क्योंकि बृहस्पतिवार को संत प्रेमानंद जी महाराज का जन्मदिन था। आश्रम में राष्ट्रपति ने संत से आध्यात्मिक चर्चा की और उन्हें हाथ जोड़कर प्रणाम किया। संत प्रेमानंद ने प्रसन्न मुद्रा में 'राधे–राधे' कहकर उनका अभिवादन स्वीकार किया। मुर्मू ने संत प्रेमानंद महाराज को जन्मदिन की बधाई भी दी। वृंदावन के राधा केली कुंज के संत प्रेमानंद जी महाराज अपने श्राधा नामश जप और सत्संग के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध हैं। उनके दर्शन के लिए आम जनता से लेकर बड़े–बड़े राजनेता और अभिनेता लाइन में खड़े रहते हैं। उनका सरल जीवन और भक्ति मार्ग करोड़ों लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

हिमंता बिस्वा सरमा सहित दिग्गज नेता आज करेंगे नामांकन

गुवाहाटी, (एजेंसी)। 9 अप्रैल को होने वाले असम विधानसभा चुनाव के लिए कई बड़े नेता ने शुक्रवार को अपने नामांकन पत्र दाखिल करने जा रहे हैं। मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा जलुकबारी सीट से अपना नामांकन दाखिल करेंगे। इसके लिए वे कामरूप (मेट्रोपॉलिटन) जिला निर्वाचन कार्यालय पहुंचेंगे। नामांकन से पहले सीएम सरमा खानापारा वेटरनरी फील्ड से हेंगराबाड़ी स्थित डिप्टी कमिश्नर कार्यालय तक करीब 5.6 किलोमीटर लंबा रोड शो करेंगे, जिसे उनकी राजनीतिक ताकत के प्रदर्शन के रूप में देखा जा रहा है। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म श्एक्सश पर संदेश जारी कर समर्थकों से इस रोड शो में शामिल होने की अपील की। उन्होंने कहा कि जनता का आशीर्वाद उन्हें आगामी चुनाव में और मजबूती देगा। जलुकबारी सीट 2001 से सरमा का गढ़ रही है और वे यहां से लगातार छठी जीत हासिल करने की कोशिश में हैं। उन्होंने पहली बार 1996 में इस सीट से चुनाव लड़ा था लेकिन हार गए थे। इसके बाद 2001 में उन्होंने पहली जीत दर्ज की और तब से लगातार इस सीट पर काबिज हैं। वहीं, विपक्ष के नेता देबब्रत सैकिया भी नाजिरा सीट से अपना नामांकन दाखिल करेंगे। यह सीट उनके परिवार के लिए राजनीतिक रूप से अहम रही है और वे 2011 से यहां का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रिपुन बोरा उत्तर असम की बरचल्ला सीट से चुनाव मैदान में उतरने जा रहे हैं।

पीएम मोदी ने थाईलैंड के प्रधानमंत्री अनुतिन को दी बधाई

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को अनुतिन चर्नविराकुल को थाईलैंड का प्रधानमंत्री चुने जाने पर बधाई दी। उन्होंने उम्मीद जताई कि दोनों नेता मिलकर भारत और बैंकॉक के बीच रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करेंगे। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट साझा किया। उन्होंने कहा कि भारत और थाईलैंड के रिश्ते साझा सभ्यता और संस्कृति पर आधारित हैं। दोनों देशों के लोगों के बीच बहुत पुराने और गहरे संबंध हैं। उन्होंने जोर दिया कि दोनों देश शांति, प्रगति और समृद्धि के साझा लक्ष्यों के लिए एकजुट हैं। थाईलैंड के निचले सदन ने गुरुवार को अनुतिन चर्नविराकुल को देश का नया प्रधानमंत्री चुना। उन्हें कुल 293 वोट मिले। 59 साल के अनुतिन को 8 फरवरी के आम चुनाव के बाद संसदीय मतदान में चुना गया है। उनके प्रतिद्वंद्वी नत्थाफोंग रुआंगपान्यवुत को सिर्फ 119 वोट मिले। मतदान के दौरान 86 सदस्यों ने हिस्सा नहीं लिया। अनुतिन की पार्टी भूमजईथाई ने 500 सीटों वाले सदन में 191 सीटें जीती थीं। उन्होंने पीपुल्स पार्टी को पीछे छोड़ दिया, जिसे 120 सीटें मिली थीं। इसके बाद अनुतिन ने 16 पार्टियों का एक गठबंधन बनाया। इसमें फेउ थाई पार्टी भी शामिल है। इस गठबंधन के पास कुल 292 सीटें हैं। अनुतिन पिछले दो दशकों में दोबारा सत्ता में लौटने वाले पहले थाई प्रधानमंत्री बने हैं। हालांकि, उनके सामने कई चुनौतियां भी हैं। उन्हें साल 2022 में भांग (कैनबिस) को अपराध की श्रेणी से बाहर करने के लिए जाना जाता है। अगस्त 2025 में पैतोंगतार्न शिनावात्रा को पद से हटा दिया गया था। कंबोडियाई नेता हुन सेन के साथ उनकी फोन कॉल लीक होने के बाद कोर्ट ने यह फैसला सुनाया था। इसके बाद अनुतिन ने अल्पसंख्यक सरकार का नेतृत्व किया था। थाईलैंड और कंबोडिया के बीच सीमा विवाद भी एक बड़ी समस्या है। दोनों देशों के बीच संघर्ष विराम के बाद फिर से लड़ाई शुरू हो गई थी। इस संघर्ष ने अनुतिन को अपनी राष्ट्रवादी छवि मजबूत करने और बहुमत हासिल करने का मौका दिया।

धामी ने किया पंचांग का विमोचन, सनातन परंपरा को दी नई पहचान

देहरादून, (एजेंसी)। हिन्दू नव सम्वत वर्ष के अवसर पर गुरुवार को उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अपने आवास पर सूचना एवं लोक संपर्क विभाग द्वारा प्रकाशित पंचांग (कैलेंडर) का विधिवत विमोचन किया। उन्होंने इसे राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक और धार्मिक विरासत को सहेजने एवं जन–जन तक पहुंचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल बताया।मुख्यमंत्री ने कहा कि देवभूमि उत्तराखंड अपनी सनातन परंपराओं, धार्मिक आस्थाओं और सांस्कृतिक मूल्यों के लिए देश–विदेश में विशिष्ट पहचान रखता है। यहां की परंपराएं केवल आस्था का विषय नहीं हैं, बल्कि यह हमारी जीवनशैली, सामाजिक संरचना और सांस्कृतिक चेतना का अभिन्न अंग हैं। ऐसे में पंचांग का प्रकाशन राज्य की इस गौरवशाली विरासत को संरक्षित करने और नई पीढ़ी तक पहुंचाने का एक सशक्त माध्यम बनेगा। उन्होंने कहा कि यह पंचांग राज्यवासियों को न केवल तिथि, वार, पक्ष, मास, पर्व एवं विशेष दिवसों की सटीक जानकारी प्रदान करेगा, बल्कि पारंपरिक त्योहारों, व्रतों और धार्मिक आयोजनों की महत्ता से भी अवगत कराएगा। इससे लोगों को अपनी संस्कृति और परंपराओं के साथ और अधिक गहराई से जुड़ने का अवसर मिलेगा।श्री धामी ने यह भी उल्लेख किया कि इस पंचांग में देवभूमि उत्तराखंड के प्रमुख धार्मिक एवं आस्था स्थलों को विशेष रूप से स्थान दिया गया है। ये स्थल न केवल श्रद्धा के केंद्र हैं, बल्कि राज्य की ऐतिहासिक और आध्यात्मिक विरासत के प्रतीक भी हैं। उन्होंने कहा कि इस प्रकार यह कैलेंडर एक जानकारीपरक दस्तावेज होने के साथ–साथ उत्तराखंड की सांस्कृतिक झलक प्रस्तुत करने वाला प्रेरणादायक संकलन भी है। उन्होंने सूचना एवं लोक संपर्क विभाग के इस प्रयास की सराहना करते हुए आशा व्यक्त की कि यह पंचांग राज्य के प्रत्येक नागरिक के लिए उपयोगी सिद्ध होगा और आने वाले समय में इसे और अधिक समृद्ध एवं व्यापक स्वरूप में प्रस्तुत किया जाएगा। इस अवसर पर सचिव विनय शंकर पांडेय, महानिदेशक सूचना बंशीधर तिवारी सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

जनता को यूडीएफ पर पूरा भरोसा, जनता बदलाव के लिए तैयार : राहुल गांधी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केरल में चुनाव का एलान हो गया है। चुनावी हलचल के बीच कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को कहा कि केरल के लोग अब बदलाव के लिए पूरी तरह तैयार हैं। उन्होंने राज्य में यूडीएफ की सरकार बनाने की वकालत की। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा श्टीम यूडीएफ ही टीम केरलम है। उन्होंने अपने पोस्ट में कहा कि हर उम्मीदवार केरलम के लोगों की आवाज, उनकी उम्मीदों और उनके भरोसे को दर्शाता है। इस टीम में अनुभवी नेताओं के साथ–साथ बदलाव लाने वाले युवा चेहरे भी शामिल हैं। यह पुरुषों और महिलाओं का एक ऐसा मजबूत समूह है, जो अपने चुनाव क्षेत्र की बारीकियों और समस्याओं को बहुत अच्छी तरह समझते हैं। वायनाड के पूर्व सांसद राहुल गांधी ने केरल से अपने खास लगाव का जिक्र किया। उन्होंने कहा, श्मेरे लिए केरलम एक घर की तरह है और वहां के लोग मेरा परिवार हैं। केरल के लोगों ने मुझे जो कुछ भी सिखाया है और मुझे जितना प्यार और अपनापन दिया है, उसके लिए मैं उनका कर्जदार हूं। मैं हमेशा आपका साथी बनकर रहूंगा। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि केरलम से मिलने वाला संदेश बिल्कुल साफ है। जनता अब बदलाव चाहती है। वे एक ऐसी सरकार की तलाश में हैं जो उनकी बात सुने, उनकी समस्याओं को समझे और ईमानदारी के साथ काम करके दिखाए। उन्होंने वादा किया कि आने वाली यूडीएफ सरकार के साथ मिलकर वे इस खूबसूरत राज्य के बेहतर भविष्य के लिए हर संभव कोशिश करेंगे।

डीएमके स्टालिन ने ई पलानीस्वामी की दिल्ली यात्रा पर उठाए सवाल

चेन्नई, (एजेंसी)। तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव की आहट के साथ ही राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। मुख्यमंत्री और द्रमुक (डीएमके) अध्यक्ष एमके स्टालिन ने विपक्षी नेता एडप्पादी के पलानीस्वामी (ईपीएस) पर तीखा हमला किया है। उन्होंने कहा, पलानीस्वामी केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से गठबंधन पर चर्चा के लिए दिल्ली गए थे। स्टालिन ने इस मुलाकात को लेकर कहा कि विपक्षी दल के फैसले अब तमिलनाडु के बाहर लिए जा रहे हैं। पार्टी कार्यकर्ताओं को लिखे एक पत्र में स्टालिन ने ईपीएस की दिल्ली यात्रा के मकसद पर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने पूछा कि क्या यह यात्रा तमिलनाडु के लिए जरूरी फंड मांगने के लिए थी? क्या वे राज्य के रुके हुए प्रोजेक्ट्स को पूरा कराने दिल्ली गए थे? या फिर वे राज्य के अधिकारों की रक्षा के लिए वहां पहुंचे थे? स्टालिन ने खुद ही जवाब देते हुए कहा कि ऐसा कुछ भी नहीं है। उनका ध्यान कहीं और है और राज्य की जनता यह सब अच्छी तरह समझ रही है। स्टालिन ने साफ शब्दों में कहा कि तमिलनाडु के लोग कभी भी दिल्ली का दबदबा स्वीकार नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि जनता जानती है कि कौन राज्य के अधिकारों और विकास के लिए मजबूती से खड़ा है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से 2026 के विधानसभा चुनावों के लिए तैयारी तेज करने की अपील की। स्टालिन ने भरोसा जताया कि द्रमुक और उसका गठबंधन फिर से बड़ी जीत हासिल करेगा। मुख्यमंत्री ने अपनी सरकार के कामकाज को द्रविड़ियन मॉडल 2.0 बताया। उन्होंने जानकारी दी कि 17 मार्च से वे अन्ना अरिवलयम में उम्मीदवारों के इंटरव्यू ले रहे हैं। इस काम में पार्टी के वरिष्ठ नेता भी उनके साथ जुटे हैं। उन्होंने दक्षिण और पश्चिमी क्षेत्रों सहित कई जिलों के उम्मीदवारों से लंबी बातचीत की है।

शहीद भगत सिंह सदेश'पुस्तिका का ईद मिलन में हुआ विमोचन

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

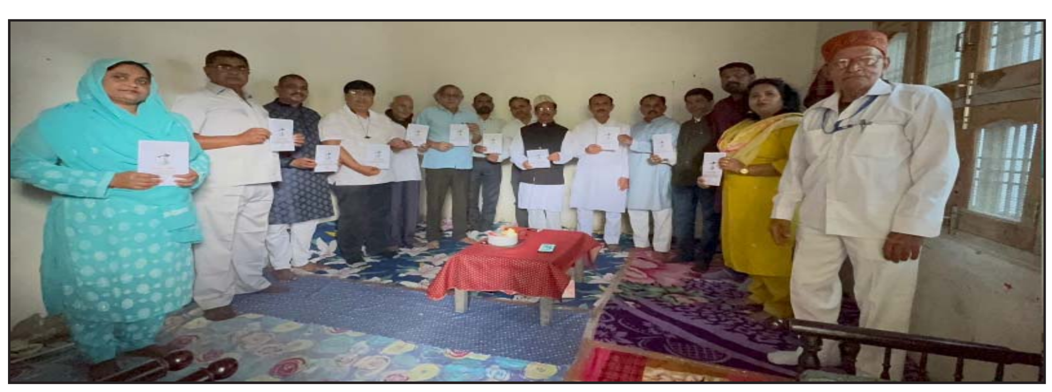

अयोध्या।जनवादी लेखक संघ के तत्वावधान में शायर मुजम्मिल फिदा के आवास पर आयोजित ईद मिलन के मौके पर 'शहीद भगत सिंह संदेश' पुस्तिका का विमोचन वरिष्ठ साहित्यकारों द्वारा किया गया।इस पुस्तिका का प्रकाशन शहीद भगत सिंह स्मृति ट्रस्ट द्वारा निःशुल्क वितरण के लिए किया गया है।मालूम हो कि 23 मार्च को शहीद भगत सिंह का बलिदान दिवस है।इस अवसर पर वरिष्ठ आलोचक डॉ रघुवंशमणि ने शहीद भगत सिंह की वैचारिक परिपक्वता और उनकी विचारधारा को रेखांकित किया।कवि प्राध्यापक डॉ विशाल श्रीवास्तव ने कहा कि एक क्रांतिकारी के रूप में भगत सिंह युवाओं के लिए सदैव एक अमर प्रेरणा के रूप में मौजूद रहेंगे। चिंतक आर डी आनंद और आशाराम जागरथ ने मौजूदा समय में भगत सिंह के विचारों की जरूरत पर बल दिया।इस अवसर पर शायर एडवोकेट रामजीत यादव बेदार की अध्यक्षता में एक कवि गोष्ठी का आयोजन किया गया।इस मौके पर कवि डॉ नीरज सिन्हा नीर के संचालन में हुई कवि गोष्ठी में चिंतक कवि आर डी आनंद, मुजम्मिल फिदा, आशाराम जागरथ, एडवोकेट राजीव श्रीवास्तव, सत्यभान सिंह, विनीता कुशवाहा, अखिलेश सिंह, राम दुलारे बौद्ध, संदीपा दीक्षित, इकबाल खघन, मुजीब खघन, महावीर, खालिद सहित कई कवियों–शायरों ने अपनी कविताओं की प्रस्तुति की। कार्यक्रम में धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत करते हुए सत्यभान सिंह जनवादी ने शहीद भगत सिंह की शहादत पर 23 मार्च को नगर निगम में होने वाले कार्यक्रम का परिचय देते हुए बड़ी संख्या में सम्मिलित होने का आह्वान किया।

संपादकीय

वंशवाद कहीं विरोध भाव नजर नहीं आता

भारत भर में व्यापक रूप से फैले वंशवाद को लेकर आज कहीं विरोध भाव नजर नहीं आता। तो क्या राजनीति के कुछ परिवारों में सिमटने और लोकतंत्र के कुलीनतंत्र में तब्दील होने की विद्रूपता को सबने स्वीकार कर लिया है? अब तक राजनीति से दूर और कुछ समय पहले तक गुमनाम–सी जिंदगी जीने वाले निशांत कुमार जनता दल (यू) में शामिल हुए, तो पार्टी नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने करतल ध्वनि की। खबर है कि नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने के बाद बनने वाली नई सरकार में निशांत उप–मुख्यमंत्री बनेंगे। वैसे, उनकी पार्टी के नेता तो उन्हें सीधे मुख्यमंत्री बनाने की मांग कर रहे हैं। निशांत ने कहा– श्पार्टी में शामिल होना मेरे पिता का निजी फैसला था, जिसे मैंने स्वीकार किया है। मैं अपने पिता के निर्देशन में काम करूंगा।य यानी यह पूरी तरह पारिवारिक घटनाक्रम है। अभी चार महीने पहले विधानसभा चुनाव में अपने गठबंधन की भारी जीत के बाद जब निशांत के पिता नीतीश कुमार फिर मुख्यमंत्री बने, तो उन्होंने एनडीए के घटक दल राष्ट्रीय लोक मोर्चा के नेता उपेंद्र कुशवाहा के तब तक अराजनीतिक बेटे दीपक प्रकाश को सीधे कैबिनेट मंत्री बना दिया। उस पर भी किसी को एतराज नहीं हुआ! देश में ऐसी घटनाएं आज इतनी आम हो गई हैं कि इनको लेकर बुद्धिजीवियों से लेकर मीडिया, और सियासी हलकों से लेकर आम जन तक में कोई नाराजगी नहीं देखी जाती। बल्कि इसे ष्लोकतंत्रष की सामान्य प्रक्रिया मान लिया गया है। बात इतनी आम और सर्व–स्वीकार्य हो गई है कि नीतीश कुमार की कथित खराब सेहत की चर्चा करते हुए एक बार आरजेडी नेता राबड़ी देवी ने मुख्यमंत्री से अपना पद निशांत को सौंप देने की मांग कर डाली थी! चूंकि राबड़ी देवी का परिवार खुद लोकतंत्र को ऐसी विद्रूपता देने में बढ़–चढ़ कर शामिल है, इसलिए उनके ऐसा करने पर कोई हैरत नहीं हुई। लेकिन ये रुझान भारतीय लोकतंत्र में लगातार गिरावट का सूचक है। नेहरू– गांधी परिवार का नेतृत्व जब कांग्रेस में सहज स्वीकार्य होता गया, तब कम–से–कम सियासत के बाकी हिस्सों से उसके खिलाफ आवाज उठती थी। वंशवाद बताकर उसकी आलोचना की जाती थी। लेकिन भारत भर में व्यापक रूप से फैले ऐसे वंशवाद को लेकर आज कहीं विरोध भाव नजर नहीं आता। तो क्या राजनीति के कुछ परिवारों में सिमटने और लोकतंत्र के कुलीनतंत्र में तब्दील होने की विद्रूपता को सबने स्वीकार कर लिया है?

अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच जारी युद्ध से तेल--गैस संकट गहराया

कमलेश

पश्चिमी एशिया के लिए अभिशाप साबित हो रहे ईरान–इजरायल युद्ध, कोई साधारण युद्ध नहीं बल्कि एक प्रकार का सभ्यता–संस्कृति संघर्ष है, जिसके बीज इतिहास में ही जमे हुए हैं। एक ओर जहां यह युद्ध इजरायल के लिए उसके अस्तित्व के रक्षा की लड़ाई है, वहीं दूसरी ओर यह युद्ध ईरान के लिए ईसाई मुल्कों के कथित लोकतांत्रिक–आर्थिक दांवपेंचों से ईरान को महफूज रखकर अरब–खाड़ी देशों में एक मजबूत इस्लामिक साम्राज्य स्थापित करने की मनरूसंकल्पित सोच–समझ और ईरान से वैश्विक इस्लामिक साम्राज्यवाद का दबदबा बढ़ाने के लक्ष्य को केंद्र में रखकर लड़ी जा रही है, जो आगे भी बदस्तूर जारी रह सकती, क्योंकि ईरानी धार्मिक शासन व संगठन का एकमात्र ध्येय यही है। वहीं, पश्चिम एशिया और मध्य–पूर्व के अकूत तेल व गैस भंडार पर जिस तरह से अमेरिकी–यूरोपीय गठबंधन वर्चस्व कायम है, और अपने अपने हितों को लेकर उनके बीच भी अंतर्विरोध उपज चुका है, वह अप्रत्याशित है। जबकि मध्यपूर्व में अमेरिकी वर्चस्व तोड़ने के लिए रूसी–चीनी नेतृत्व भी आमादा प्रतीत हो रहे हैं, जिसके दृष्टिगत चल रहे दांवपेंचों से इस्लामिक मुल्क लगभग दो या चार फाड़ हो चुके हैं। सच कहूं तो शिया–सुन्नी इस्लामिक विभाजन इसकी जड़ में है, लेकिन सुन्नी बहुल सऊदी अरब, शिया बहुल ईरान, हिन्दू विरोधी पाकिस्तान और मुसलमानों का खलीफा बनने की चाहत रखने वाले तुर्किये के आपसी दांवपेंच किसी से छिपे हुए नहीं हैं। इसके बावजूद, 56 इस्लामिक देशों को मिलाकर गठित ओआईसी और उसके इस्लामिक नाटो बनाने का वैश्विक लक्ष्य, यहूदियों के एकमात्र छोटे से मुल्क इजराइल को समाप्त करने पर तुले हुए ईरान की सनक से गहराते फिलिस्तीन–गाजा विवाद और भारतीय हिंदुओं के खिलाफ पाकिस्तान परस्त ओआईसी के अंतर्राष्ट्रीय दांवपेंचों ने जब हिंसक और आतंकवाद परस्त इस्लामिक दुनिया को मौजूदा क्रूर संघर्ष के मुकाम तक पहुंचा दिया तो जिधर देखें उधर तबाही और बर्बाद होने के अलावा अन्य कोई दूसरा रास्ता नजर नहीं आता। वैचारिक सवाल है कि जब हर हिंसक सोच का त्रासदीपूर्ण अंत होना नैसर्गिक प्रक्रिया के मुताबिक तय है तो फिर ईरान और अमेरिका इसी रक्तिम राह पर अग्रसर क्यों हैं? और यदि वो ऐसे ही हैं तो इससे शेष दुनिया आश्चर्यचकित क्यों है? शायद इसलिए कि उनके तेल और गैस की आपूर्ति बाधित हो चुकी है, और अबतक सारा शांतिपूर्वक तमाशा देखने वाला खेल लगभग बिगड़ चुका है। संयुक्त राष्ट्र संघ के वैश्विक दायित्व पर सवालिया निशान तो बहुत पहले ही लग चुके हैं, लेकिन पीस बोर्ड ऑफ गाजा क्या कर रहा है? उधर, अमेरिकी–यूरोपीय देशों को बैलेंस रखने वाले रूस–चीन–उत्तरकोरिया गठजोड़ और अमेरिका को छोड़कर वीटो शक्ति प्राप्त अन्य चार देश क्या कर रहे हैं? दुनिया को वसुधैव कुटुंबकम का पाठ पढ़ाने वाला भारत और उसका ग्लोबल साउथ चुप्पी क्यों साधे बैठें हैं? कथित ओआईसी ईरान को मरता–पिछड़ता देखकर बेचौन क्यों नहीं हो रहा है? अब्राहम परिवार के भागीदार देशों के मुंह पर पट्टी क्यों बंधी हुई है? यदि कुछ देशों को परमाणु बम रखने और लंबी दूरी वाली मिसाइल बनाने का हक है तो फिर वही हक ईरान को रहने देने में किसको परेशानी हुई है? सुलगता सवाल है कि क्या कर ईरान को परमाणु बम बनाने का हक नहीं है, जबकि सिर्फ पाकिस्तान को यही हक अमेरिकी अगुवाई में प्राप्त है? क्या ईरान को लंबी दूरी की मिसाइल बनाने का हक नहीं है, और सिर्फ पाकिस्तान को अमेरिकी–चीनी सरपरस्ती में प्राप्त है? आखिर ऐसी ओछी दलीलों के पीछे अमेरिकी खलनीति तो साफ नजर आती है, क्योंकि इन्हीं सतही वजहों के सहारे ईरान पर हमले किए गए। न केवल ईरानी सुप्रीम लीडर और उनके चहेतों को मार गिराया गया, बल्कि उच्च पदस्थ लोगों के खात्मे का सिलसिलेवार अभियान इजरायल द्वारा जारी है! फिर भी ईरान ने जो अपनी रणनीतिक ताकत दिखाई, संगठनात्मक क्षमता प्रदर्शित किया, उससे ईरान विरोधी देश दंग हैं और यूरोपीय नाटो देश भयभीत! शायद इसलिए भी अब वो अमेरिका के साथ पूरी तरह से खड़े दिखाई देना नहीं चाहते हैं। ईरान अपने ही सहोदर अरब–खाड़ी व मध्यपूर्व के देशों की जो कुटाई कर रहा है, उसकी कल्पना भी कभी ओआईसी ने नहीं की होगी! इन तमाम रक्तिम रंजिशों के पीछे समझदारी की भावना है या ईर्ष्या का भाव, यह तो बाद में पता चलेगा, लेकिन उससे पहले ईरान क्या करेगा? अमेरिका इजरायल परस्त अपने पड़ोसियों को कितना बर्बाद कर पाएगा, यह वक्त बताएगा। सवाल यह भी है कि जब इस्लामिक नाटो बनाने के सपने संजोए जा रहे हैं, पाकिस्तान और तुर्की जैसे मुल्क भारत विरोध के नाम पर इजरायल विरोध तक पर तुले हुए हैं, उसके दृष्टिगत इजरायल का आक्रामक होना लाजिमी है। इस लंबे खिंचते जा रहे युद्ध से बचने के लिए दुनिया के थानेदार अमेरिका ने पूरी कोशिश की, लेकिन जिस तरह से पश्चिमी एशिया में ईरान अपनी मनमानी पर तुला हुआ है, उसे रूस–चीन–उत्तरकोरिया और कुछ हदतक भारत का समर्थन हासिल है, उसके दृष्टिगत इजरायल की रक्षा करने का कर्तव्य अमेरिका का तो बनता ही है, क्योंकि अमेरिकी अर्थव्यवस्था की रीढ़ यहूदी कौम ही है। वो भी तब जबकि पश्चिमी एशिया के सुन्नी मुस्लिम देश भी शिया मुस्लिम मुल्क ईरान को कमजोर रखने को लालायित हों। यही वजह है कि

अमेरिकी आक्रामकता, इजरायली वीरता, भारतीय तटस्थता और रूस–चीन की किंकर्तव्यविमूढ़ता जहां ईरान की फजीहत करवा रही हैं, वहीं शेष दुनिया में तेल–गैस के लाले पड़े हुए हैं। इससे इनके दाम आसमान छू रहे हैं। इसी बीच होर्मुज जलडमरूमध्य की सुरक्षा पर अमेरिकी प्रस्ताव से इतर नाटो में उभरे मतभेद अमेरिका और उसके यूरोपीय सहयोगियों के बीच रणनीतिक दृष्टिकोण के गहरे अंतर को दर्शाने को काफी हैं। इससे तेल–गैस के संकट गहराने और महंगाई बढ़ने के आसार प्रबल हैं। इस स्थिति से बचने हेतु अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने नाटो सदस्यों से होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने के लिए युद्धपोत भेजने की मांग की है, लेकिन यूके और जर्मनी जैसे देशों ने इसे नाटो का मामला मानने से इनकार कर दिया। इस मतभेद के कई कारण हैं। उल्लेखनीय है कि ईरान–अमेरिका–इजराइल संघर्ष के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य बंद हो गया है, जो वैश्विक तेल आपूर्ति का 20: हिस्सा ले जाता है। इससे विफरते हुए ट्रंफ ने चेतावनी दी कि सहयोगी मदद न करने पर नाटो का भविष्य शबहुत बुराश होगा, लेकिन जर्मन विदेश मंत्री जोहान वाडेफुल ने कहा कि नाटो ने कोई फैसला नहीं लिया और यह उसकी जिम्मेदारी नहीं। जबकि यूके के पीएम कीयर स्टार्मर ने यूरोप, खाड़ी देशों और अमेरिका के साथ अलग गठबंधन बनाने की बात कही, नाटो को शामिल किए बिना। दिलचस्प बात तो यह है कि गैर नाटो देशों में ऑस्ट्रेलिया, जापान, दक्षिण कोरिया और भारत ने भी इस मामले में अमेरिका के आह्वान को नजरअंदाज कर दिया है। यूँ तो अमेरिका ने चीन से भी होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलने में सहयोग मांगा, लेकिन सबने इंकार कर दिया,।

अभी भी झोल है जीडीपी की गणना में

विजय

अब इसे चालाकी मानें या भूल सुधार लेकिन नई शृंखला बनाने में भी कम चालाकियां नहीं दिखतीं। सबसे बड़ी चालाकी तो जीडीपी के मूल आधार की गिनती का ही है जिसे 2025–26 में 357 लाख करोड़ की जगह 345 लाख करोड़ रुपए कर दिया गया। जब गणना चालू कीमत के आधार पर होनी है तो इतना बड़ा फर्क कैसे आ सकता है। यह जरूर होगा कि आधारध्बेस सिकुड़ेगा तो जीडीपी विकास दर का हिसाब ऊपर जाएगा। इसे मात्र संयोग मानना चाहिए कि उपभोक्ता मूल्य सूचकांक की नई शृंखला जारी होते ही कीमतें बढ़ने का और सकल घरेलू उत्पादन–जीडीपी की गणना की नई शृंखला जारी होते ही वैश्विक स्तर पर काफी उथल–पुथल का दौर शुरू हो गया है और जाहिर तौर पर हमारी अर्थव्यवस्था उससे भी प्रभावित होगी ही। प्रधानमंत्री समेत सरकार के कई कर्ताधर्ताओं को आज आत्मनिर्भरता की नीति याद भले आती हो लेकिन मौजूदा सारी नीतियां दरवाजे खोलने वाली ही हैं। इन सब के बीच यह कहने में हर्ज नहीं है कि 12 साल बाद आई नई शृंखला का स्वागत होना चाहिए क्योंकि यह काम हर दस साल में हो जाना चाहिए। दूसरी बड़ी बात इस शृंखला में किए गए बदलावों की है जो निश्चित रूप से हमारी आर्थिक गणना को पहले से ज्यादा व्यापक आधार देते हैं और इसलिए वास्तविकता के ज्यादा करीब पहुंचाएंगे। 2011–12 के आधार वर्ष वाली पिछली शृंखला भी मोदी राज में ही जारी हुई थी और उसमें किए गए कुछ बदलावों की पूरे समय आलोचना होती रही है क्योंकि उनसे जीडीपी विकास की दर कुछ ज्यादा ही तेज दिखने का आरोप था और दूसरों की कौन कहे अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने सूचकांकों के मामले में उसे सी–ग्रेड दिया था जिस पर अच्छा खासा बवाल मचा। सांख्यिकी से जुड़े हमारे जानकार भी उसमें गंभीर कमियों पर शोर मचाते रहे लेकिन काम बढ़ता गया।अब इस बार क्या–क्या बदलाव हुए हैं उसकी पूरी जानकारी तो 26 फरवरी के सरकारी रिलीज में बहुत विस्तार से बताई गई है। लेकिन इतना बताना जरूरी है कि इसमें चालू अनुभवों के आधार पर अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों के भारांक में बदलाव किया गया है। जीएसटी, ई–वाहन डाटा और प्रॉविडेन्ट फंड जैसे नए ठिकानों पर स्वाभाविक क्रम और नई तकनीक के चलते जुटने वाले आंकड़ों को ज्यादा महत्वपूर्ण स्थान दिया गया है और जीडीपी–ऋण अनुपात तथा राजकोषीय प्रबंधन संबंधी गणना को और सुधारने का प्रयास किया गया है। इसका एक मतलब अनौपचारिक क्षेत्र को औपचारिक गणना में स्थान देने के साथ महत्व देना है और इससे गणना सुधरेगी। एक कोशिश पुरानी शृंखला की जाहिर कमजोरियों से हल्का होने का है और संभव है कि इससे कुछ हिसाब बदलेंगे जिनमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की एक ट्रिलियन की अर्थव्यवस्था के सपने का कुछ और दूर हो जाना भी हो सकता है। लेकिन इन सबके ऊपर विकास दर के तेज होने की उम्मीद भी जाहिर की गई।अब इसे चालाकी मानें या भूल सुधार लेकिन नई शृंखला बनाने में भी कम चालाकियां नहीं दिखतीं। सबसे बड़ी चालाकी तो जीडीपी के मूल आधार की गिनती का ही है जिसे 2025–26 में 357 लाख करोड़ की जगह 345 लाख करोड़ रुपए कर दिया गया। जब गणना चालू कीमत के आधार पर होनी है तो इतना बड़ा फर्क कैसे आ सकता है। यह जरूर होगा कि आधारध्बेस सिकुड़ेगा तो जीडीपी विकास दर का हिसाब ऊपर जाएगा। यह भी गड़बड़ लगता है कि आप नई शृंखला में सेवा क्षेत्र के भारांक को कम करें और कृषि तथा करखनिया उत्पादन का भारांक बढ़ा दें। खेती का योगदान हमारे जीवन में ही नहीं अर्थव्यवस्था में कम होता गया है भले ही भोजन में उसके योगदान को कोई भी अर्थव्यवस्था नहीं भूल सकती। यहां खपत वाला पक्ष हिसाब के लगभग बाहर है। महंगाई और खपत–उत्पादन के परस्पर रिश्ते को समझना और उसे सूचकांकों तथा नमूना सर्वेक्षणों के अलावा दूसरी सूचनाओं के आधार पर ले जाने का फैसला भी बहुत साफ सुथरा नहीं है। सर्वेक्षणों और आंकड़ों के प्रवाह से इस सरकार को कैसी परेशानी रही है यह पिछले दसेक वर्षों में बार–बार दिखा है।एक छल रचने का प्रयास इसमें दिखता है जिसकी तरफ यह लेखक सिर्फ इशारा कर सकता है। ज्यादा विस्तार से इसकी जांच और सत्यापन का काम सांख्यिकी और अर्थशास्त्र के अधिक जानकार लोग कर सकते हैं(सारा जीवन पत्रकार होने के चलते इस क्षेत्र का ज्यादा व्यापक अध्ययन संभव भी नहीं था)। इस बार राजकोषीय और वित्तीय प्रबंधन के घोषित मानकों के अनुसार अपना नंबर सुधारना भी एक लक्ष्य लगता है। अगर गणना तेज जीडीपी विकास बताती है तो अर्थव्यवस्था का बढ़ा आकार आपके ऋण की स्थिति को नहीं उसकी गणना को सुधार देता है, उसमें बड़े आराम से चार–पांच फीसदी की कमी दिखा सकता है। यह सांख्यिकी का सच नहीं छल है। यही बात हम जीएसटी की वसूली और पीएफ के आंकड़ों के मामले में अभी देख रहे हैं। असल में यह सारा हिसाब अर्थव्यवस्था में बदलाव की जगह गणना में बदलाव का है या गणना सुधारने का है– इन–फार्मल सेक्टर के फार्मल में आने भर का है। रोजगार, उपभोग, उत्पादन, कीमतों में उतना फर्क नहीं आ रहा जितना आंकड़े बताने लग रहे हैं और इसका लाभ सरकार अपनी उन्हीं नीतियों को जारी रखने में ले रही है जो गरीबों और कमजोरों के लिए, दीर्घकालिक और टिकाऊ विकास के लिए और समानता के घोषित लक्ष्य के लिए नुकसानदेह साबित हो रही हैं।जीडीपी सिर्फहेडलाइन की चीज नहीं है तो उसे मापने का पैमाना भी शुद्ध होना चाहिए। इसी पैमाने से मिले आंकड़े और संकेत बताते हैं कि अर्थव्ययस्था किस दिशा में जा रही है, नीतियों में बदलाव के जरिए उसमें कैसा बदलाव लाया जाए, उसमें आने वाली गिरावट को कैसे संभाला जाए। लेकिन इससे सबसे बड़ा प्रभाव यह होता है कि अर्थव्यवस्था का अंग आम लोगों तथा निवेशकों–उत्पादकों को संकेत जाता है और उनका उत्साह या निराशा अर्थव्यवस्था में नई जान फूंकता है या रफ्तार को और पस्त करता है। इसी से मिले संकेतों के आधार सरकारी पर राजकोषीय नीतियों में बदलाव होता है। इसलिए इसे राजनीति और चुनावी खेल से ज्यादा से ज्यादा दूर रखना चाहिए। लगता नहीं है कि ऐसा हुआ है।

बिहार रास चुनाव में विपक्ष की करारी हार

सौरभ वार्ष्णेय

बिहार की राजनीति में हाल ही में हुए राज्सभा चुनाव ने कई राजनीतिक संकेत दिए हैं। इस चुनाव में राष्ट्रीय जनता दल के नेता राजद के लिए परिणाम उम्मीद के अनुरूप नहीं रहे। सीटों के गणित और राजनीतिक समीकरणों के कारण जिस तरह का परिणाम सामने आया, उसने विपक्षी राजनीति में असहजता और भीतर की पीड़ा को उजागर कर दिया। जिसे लेकर तेजस्वी यादव का दर्द छलक पड़ा? क्या विधायक इनके विश्वास पर खरे नहीं उतरे या भाजपा की रणनीति समझ नहीं पाये। इस सवाल उठ रहे है कि विपक्ष अब आत्ममंथन कब करेगा? बिहार जैसे राज्यों में तो स्थिति इतनी उलझी कि विपक्षी खेमे के कुछ विधायक मतदान के समय अनुपस्थित रहे और पूरा समीकरण बदल गया। यह घटना केवल चुनावी हार नहीं है, बल्कि विपक्ष के भीतर मौजूद कमजोरियों का संकेत भी है। राज्यसभा जैसे चुनावों में गणित स्पष्ट होता हैकृयहां जीत का आधार संख्या और अनुशासन होता है। लेकिन जब अपने ही विधायक अनुपस्थित हों या क्रॉस–वोटिंग की आशंका पैदा हो जाए, तो यह संगठनात्मक ढीलापन और नेतृत्व की कमजोरी को उजागर करता है। ऐसे में 5 राज्यों के चुनावों मे इसका असर पड़ेगा। इसलिए अगर विपक्ष अब भी एकजुट नहीं हुआ तो एकजुट का मतलब अपने ही विधायकों का विश्वास जीतना।

राज्यसभा चुनाव सामान्यतरू विधानसभा की संख्या बल पर निर्भर होते हैं, लेकिन इस बार बिहार में क्रॉस–वोटिंग और राजनीतिक रणनीतियों ने परिणाम को अलग दिशा दे दी। सत्ता पक्ष की ओर से नीतीश कुमार के नेतृत्व वाले गठबंधन ने अपनी राजनीतिक पकड़ मजबूत दिखाई, जबकि विपक्षी खेमे में अपेक्षित एकजुटता नजर नहीं आई। यही कारण है कि परिणाम आने के बाद तेजस्वी यादव के समर्थकों में निराशा और असंतोष साफ दिखाई दिया। ज्ञात रहे कि तेजस्वी यादव पिछले कुछ वर्षों से खुद को बिहार में विपक्ष की सबसे मजबूत आवाज के रूप में स्थापित करने की कोशिश कर रहे हैं। वे युवाओं, रोजगार और सामाजिक न्याय जैसे मुद्दों को लगातार उठाते रहे हैं। लेकिन राज्यसभा चुनाव के इस परिणाम ने यह संकेत दिया है कि केवल जनसभाओं और राजनीतिक भाषणों से सत्ता के समीकरण नहीं बदलतेय इसके लिए ठोस राजनीतिक प्रबंधन और सहयोगियों की मजबूत प्रतिबद्धता भी जरूरी होती है। इस चुनाव ने एक और सच्चाई उजागर कीकृबिहार की राजनीति में अभी भी संख्या बल और रणनीति का महत्व सबसे अधिक है। यदि विपक्ष अपने भीतर की कमजोरियों को दूर नहीं करता, तो सत्ताधारी गठबंधन को चुनौती देना आसान नहीं होगा। तेजस्वी यादव के लिए यह हार केवल एक सीट का नुकसान नहीं, बल्कि एक राजनीतिक संदेश भी है। यह संदेश है कि विपक्ष को संगठित होने, विधायकों के बीच भरोसा मजबूत करने और राजनीतिक रणनीति को अधिक सटीक बनाने की जरूरत है। राज्यसभा चुनावों में लगभग 37 सीटों पर मुकाबला हुआ, जिनमें कई उम्मीदवार निर्विरोध भी चुने गए, जबकि कुछ राज्यों में सीधी टक्कर देखने को मिली।इन चुनावों ने यह साफ कर दिया कि सत्ता पक्ष जहां रणनीति और एकजुटता के साथ आगे बढ़ रहा है, वहीं विपक्ष कई जगहों पर बिखरा हुआ नजर आता है। लोकतंत्र में हार–जीत का सिलसिला चलता रहता है। लेकिन यह हार विपक्ष के लिए आत्ममंथन का अवसर भी बन सकती है। यदि तेजस्वी यादव इस अनुभव से सीख लेकर अपनी राजनीतिक रणनीति को मजबूत करते हैं, तो आने वाले समय में यह पराजय ही उनकी नई राजनीतिक ताकत का आधार बन सकती है। राज्यसभा चुनाव का परिणाम केवल सीटों की हार–जीत नहीं हैय यह विपक्ष के सामने खड़ा आईना भी है। सवाल यही हैकृक्या विपक्ष इस आईने में खुद को देखने का साहस करेगा? यदि आत्ममंथन समय रहते नहीं हुआ, तो आने वाले चुनावों में भी यही कहानी दोहराई जा सकती है।

अमेरिका ने अंतरराष्ट्रीय मर्यादाओं की उड़ाई धज्जियां

सत्येन्द्र रंजन

डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन की विदेश एवं युद्ध नीतियों का क्या मकसद है, अपने इस भाषण में मार्को रुबियो ने इसे दो–टूक या बेहिचक लहजे में दुनिया के सामने रखा।.. यह वह मार्ग है, जिस पर हम आपसे (यूरोप से) हमारे साथ जुड़ने का अनुरोध करते हैं। यह वह मार्ग है, जिस पर हम पहले भी साथ चले हैं और आशा करते हैं कि फिर से एक साथ चलेंगे। ईरान ना तो परमाणु बम बनाने की ओर बढ़ रहा था, और ना ही उससे अमेरिका को कोई तात्कालिक खतरा था, ये बातें खुद ट्रंप प्रशासन ने आधिकारिक रूप से कही हैं। पहले कांग्रेस (संसद) की ब्रीफिंग में इसे कहा गया। फिर विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि अगर अमेरिका हमला नहीं करता, तो ईरान पर होने वाले इजराइली हमले के जवाब में ईरान अमेरिकी ठिकानों को भी निशाना बनाता। इसलिए एहतियातन अमेरिका उस हमले में शामिल हुआ, जिसमें ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामेनई मारे गए। यानी हमला इजराइल को करना था, जिसे ढाल प्रदान करने के लिए अमेरिका ने एक बार फिर से अंतरराष्ट्रीय मर्यादाओं की धज्जियां उड़ाईं। दरअसल, इन दिनों अमेरिकी शासकों का जो व्यवहार है, उसमें आक्रोश, आक्रामकता, बेशर्मी और बेपदर्गी की ऐसी मिसालें भरपूर देखी जा सकती हैं। सही–गलत का ख्याल अक्सर आक्रोश की अवस्था में भूलने लगता है। आक्रामकता की स्थिति में तो व्यक्ति को इसका अहसास भी नहीं रहता कि परदे और नग्नता की हद को वह कब पार कर गया! इन दिनों डॉनल्ड ट्रंप और उनके सहकर्मी अक्सर ये हद पार करते नजर आए हैं। इस क्रम में उन्होंने खुद उन नियमों और उसूलों को दरकिनार कर दिया है, जिनका बखान कर अमेरिका और अन्य पश्चिमी देशों ने लंबे समय तक दुनिया को भरमाये रखने के लिए किया था। लोकतंत्र, मानव अधिकार, नियम आधारित विश्व व्यवस्था आदि ऐसी ही बातें थीं, जिनके जरिए पश्चिम ने अपना सॉफ्ट पॉवर बनाया। पिछले महीने उसी पश्चिम का हिस्सा– कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने दावोस में यह बेलाग मंजूर किया था कि नियम आधारित दुनिया की वो बातें कहानी भर थीं। कार्नी ने कहा– हम जानते थे कि नियम आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था की कहानी फर्जी थी। मजबूत देश अपनी सुविधा–असुविधा के मुताबिक उन नियमों से अपने को मुक्त कर लेते थे। व्यापार संबंधी नियम असमान रूप से लागू किए जाते थे। लेकिन ये कहानी उपयोगी थी।.. जाहिरा तौर पर यह कथा पश्चिमी देशों के लिए ही उपयोगी थी। मगर इस कहानी की साख बनाए रखने के लिए पश्चिम को भी कुछ मर्यादाओं का पालन करना पड़ता था। मगर अब ऐसा करने की कीमत – खासकर पश्चिमी साम्राज्यवाद की अग्रणी ताकत अमेरिका के लिए, उससे मिलने वाले लाभ से अधिक हो गई है। तो ट्रंप काल में अमेरिकी शासक वर्ग ने तमाम नकाब उतार फेके हैं। और ऐसा सिर्फ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नहीं हुआ है। उसने ऐसा अपने देश के अंदर भी किया है, जहां तेज हुए वर्ग संघर्ष के बीच लोकतंत्र और न्याय के आवरण को बनाए रखना उसे महंगा मालूम पड़ने लगा है, मगर इस लेख में हमारा विषय यह नहीं है। यहां हम अपना ध्यान अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अमेरिकी साम्राज्य के बेनकाब होते चेहरे पर केंद्रित कर रहे हैं। इस सिलसिले में अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो का म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन में दिया गया भाषण उल्लेखनीय बना हुआ है। इस भाषण में रुबियो ने पश्चिम के औपनिवेशिक दौर को अतीत–मोह के साथ याद किया और उस दौर को वापस लाने का इरादा खुलेआम जताया। इस प्रयास में उन्होंने यूरोप का साथ मांगा, तो फिलहाल ट्रंप प्रशासन के ठोकरों से आहत यूरोपीय नेताओं में उत्साह दौड़ गया। भाषण का यही एकमात्र हिस्सा रहा, जब यूरोपीय नेताओं ने खड़े होकर तालियां बजाईं! डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन की विदेश एवं युद्ध नीतियों का क्या मकसद है, अपने इस भाषण में मार्को रुबियो ने इसे दो–टूक या बेहिचक लहजे में दुनिया के सामने रखा। उनके भाषण का वो हिस्सा आज के दौर में ना सिर्फ अमेरिका, बल्कि पूरे पश्चिम की बेचौनी को समझने का महत्त्वपूर्ण स्रोत है। गुजरे एक साल में ट्रंप प्रशासन के कदमों का उल्लेख करते हुए रुबियो ने कहा–यह वो मार्ग है, जिस पर राष्ट्रपति ट्रंप और संयुक्त राज्य अमेरिका ने कदम रखा है। यह वह मार्ग है, जिस पर हम आपसे (यूरोप से) हमारे साथ जुड़ने का अनुरोध करते हैं। यह वह मार्ग है, जिस पर हम पहले भी साथ चले हैं और आशा करते हैं कि फिर से एक साथ चलेंगे।ज दूसरे विश्व युद्ध की समाप्ति से पहले पांच शताब्दियों तक पश्चिम का विस्तार हो रहा था– उसके मिशनरी, तीर्थयात्री, सैनिक, खोजकर्ता आदि अपने तटों से निकलकर महासागरों को पार करते हुए, नए महाद्वीपों पर बसते रहे। वे, दुनिया भर में जाकर विशाल साम्राज्यों का निर्माण करते रहे। लेकिन 1945 से– कोलंबस के युग के बाद पहली बार– यह सिकुड़ने लगा। (दूसरे विश्व युद्ध में) यूरोप खंडहर में तब्दील हो चुका था। उसका आधा हिस्सा आयरन कर्टेन (यानी सोवियत खेमे में) के पीछे चला गया। ऐसा लगता था कि बाकी हिस्सा भी जल्द ही उसका अनुकरण करेगा। महान पश्चिमी साम्राज्य अंतिम पतन की ओर बढ़ चुके थे, जिस प्रक्रिया को ईश्वरविहीन साम्यवादी क्रांतियों और उपनिवेशवाद–विरोधी विद्रोहों ने और तेज कर दिया। ऐसा लगने लगा कि ये विद्रोह आने वाले वर्षों में दुनिया को बदल देंगे और मानचित्र के विशाल हिस्सों पर लाल हसुआ–हथौड़े का परचम लहरा देंगे। उस पृष्ठभूमि में, तब भी और अब भी, कई लोग यह मानने लगे कि पश्चिम के प्रभुत्व का युग समाप्त हो गया है। पश्चिम का भविष्य अब उसके अतीत की एक धुंधली और क्षीण प्रतिध्वनि मात्र होगा। लेकिन साथ मिलकर, हमारे पूर्ववर्तियों ने पहचाना कि पतन महज एक विकल्प है। यह एक ऐसा विकल्प था, जिसे उन्होंने अस्वीकार कर दिया। यह हमने एक बार पहले भी एक साथ किया था और यही वो काम है जिसे राष्ट्रपति ट्रंप और संयुक्त राज्य अमेरिका अब आपके साथ मिलकर फिर से करना चाहते हैं। यही कारण है कि हम नहीं चाहते कि हमारे सहयोगी अपराधबोध और शर्म की बेड़ियों में जकड़े रहें। हम ऐसे सहयोगी चाहते हैं, जो अपनी संस्कृति और अपनी विरासत पर गर्व करें, जो समझें कि हम एक ही महान और सभ्य सभ्यता के उत्तराधिकारी हैं, और जो साथ मिलकर उसकी रक्षा करने को इच्छुक और सक्षम हों। यानी रुबियो ने यूरोप से कहा कि उपनिवेशवादी दौर में मानव संहार, लूट एवं ज्यादतियों की अपनी करतूत को लेकर वह किसी आत्म–ग्लानि में ना रहे। बल्कि दुनिया को फिर से अपनी मुट्ठी में लेने की मुहिम में वो अमेरिका के साथ चल निकले! इसलिए यह याद करना जरूरी हो जाता है कि उन पांच शताब्दियों असल में हुआ क्या था? सरसरी नजर जिन मिशनरियों, तीर्थयात्रियों, सैनिकों, खोजकर्ताओं को रुबियो ने रोमांटिक रूप में पेश किया, वे भूमि–चोरी, जबरन धर्मांतरण, और सामूहिक हत्याओं के एजेंट थे।? एशिया, अफ्रीका, और लैटिन अमेरिका के देशों में पश्चिमी उपनिवेशवाद संगठित मानवीय पीड़ा की वजह बना, जिसे ट्रंप प्रशासन फिर से दुनिया की नियति बनाना चाहता है।? वैसे नकाब अब जाकर हटा है, लेकिन बाकी दुनिया को गुलाम बनाए रखने के मकसद को पश्चिम ने कभी नहीं छोड़ा था। 1945 के बाद उसने उसे छोड़ने का नाटक किया या लोकतंत्र और मानव अधिकार जैसे उसूलों का लाबादा ओढ़ा, तो उसका कारण बन रही वो नई दुनिया थी।

चौत्र नवरात्र का चौथा दिन : मां कूष्मांडा स्वरूप की भक्ति में डूबे श्रद्धालु

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में चौत्र नवरात्र के चौथे दिन मां दुर्गा के कूष्मांडा स्वरूप की विधि–विधान से पूजा–अर्चना की गई। सुबह से ही मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी रही। भक्तों ने मां के दर्शन कर फल, मेवा और बरफी का भोग अर्पित किया तथा परिवार की सुख–समृद्धि की कामना की। रविवार को पूर्वांचल में आस्था का केंद्र चौकियां धाम स्थित मां शीतला मंदिर में विशेष आयोजन किया गया, जहां मां का आकर्षक श्रृंगार गेंदा, अढ़वल (गुड़हल) और सफेद गुलाब की मालाओं से किया गया। मंदिर परिसर में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विशेष पूजन और धार्मिक अनुष्ठान संपन्न हुए, जिससे वातावरण भक्तिमय बना रहा। इस अवसर पर बड़ी संख्या में महिलाओं ने पुत्री की सलामती और परिवार के कल्याण के लिए तालाब में स्नान कर पूजा–अर्चना की। श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखा गया और पूरे दिन दर्शन–पूजन का क्रम चलता रहा। मंदिर के महंत विवेकानंद पंडा ने बताया कि इस वर्ष नवरात्र के चौथे दिन स्वाति नक्षत्र, वैधृति योग और रवियोग का शुभ संयोग बन रहा है, जिसे अत्यंत फलदायी माना जाता है। उन्होंने बताया कि धार्मिक मान्यताओं के अनुसार मां कूष्मांडा सृष्टि की आदिशक्ति हैं, जिन्होंने अपने मंद हास्य से ब्रह्मांड की रचना की थी। पौराणिक मान्यता के अनुसार देवी कूष्मांडा की आठ भुजाएं होती हैं, जिनमें विभिन्न अस्त्र–शस्त्र और सिद्धियों के प्रतीक वस्तुएं होती हैं। उनका वाहन सिंह है, जो शक्ति और साहस का प्रतीक है। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए मंदिर परिसर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। पुलिस बल पूरे समय तैनात रहा, जिससे श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

हसनैन कमर दीपू बने जौनपुर इलेक्ट्रॉनिक मीडिया संघ के अध्यक्ष, देवेंद्र खरे को महामंत्री का दायित्व

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर।जौनपुर इलेक्ट्रॉनिक मीडिया संघ का चुनाव शुक्रवार को कैंप कार्यालय शारदा टावर पर संरक्षक आईबी सिंह की अध्यक्षता में शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल में सम्पन्न हुआ। चुनाव प्रक्रिया में सभी पदों पर सर्वसम्मति से पदाधिकारियों का चयन किया गया। कई नामों पर चर्चा के बाद बहुमत से सैयद हसनैन कमर 'दीपू', को अध्यक्ष निर्वाचित किया गया। महामंत्री पद की जिम्मेदारी देवेंद्र खरे को दी गई। उपाध्यक्ष पद

पर विश्व प्रकाश श्रीवास्तव और राज सैनी, राजन मिश्रा को कोषाध्यक्ष चुना गया। पूरी चुनाव प्रक्रिया वरिष्ठ पत्रकार राजेश श्रीवास्तव और जावेद अहमद की देखरेख में संपन्न कराई गई। इस अवसर पर संगठन का विस्तार करते हुए पांच नए सदस्यों ने भी सदस्यता ग्रहण की। कार्यक्रम में पत्रकारों की बड़ी संख्या मौजूद रही, जिनमें मोहम्मद अब्बास, नितेश सिंह, विद्याधर राय विद्यार्थी, कुंवर नीतीश, इमरान अब्बास, उस्मान, अबुल खैर, आमिर अब्बास, रोहित चौबे, अंकित मिश्रा, असलम, पंकज कुमार, मेवालाल यादव और अंकित श्रीवास्तव प्रमुख रूप से शामिल रहे। कार्यक्रम के अंत में संरक्षक आईबी सिंह ने सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को माला पहनाकर उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने उम्मीद जताई कि नई टीम संगठन की मजबूती के साथ–साथ पत्रकारिता की गरिमा को बनाए रखते हुए निष्पक्ष और प्रभावी कार्य करेगी।

चालक प्रशिक्षण केन्द्रों की स्थापना के लिए ऑनलाइन आवेदन 1 अप्रैल से शुरू

लखनऊ, (संवाददाता)।परिवहन विभाग द्वारा प्रदेश में योग्य चालकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से प्रत्यायन चालन प्रशिक्षण केन्द्रों की स्थापना एवं रखरखाव के लिए एक नया ऑनलाइन पोर्टल विकसित किया गया है। इस पोर्टल के माध्यम से आवेदन प्रक्रिया को पारदर्शी बनाया गया है और सभी आवेदन ऑनलाइन ही स्वीकार किए जाएंगे।अध्यक्ष, राज्य परिवहन प्राधिकरण उत्तर प्रदेश किंजल सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि इच्छुक एवं पात्र आवेदक 1 अप्रैल 2026 को अपराह्न 12 बजे से पोर्टल पर आवेदन कर सकते हैं। आवेदन प्रपत्र सभी आवश्यक अभिलेखों के साथ ऑनलाइन जमा करना अनिवार्य होगा।उन्होंने बताया कि प्रदेश के कुल 20 जनपदों में 32 प्रशिक्षण केन्द्रों की स्थापना के लिए रिक्तियां निर्धारित की गई हैं। इनमें बलिया में सर्वाधिक 4 रिक्तियां हैं, जबकि कानपुर नगर और बदायू में 3–3 पद निर्धारित किए गए हैं। इसके अलावा महराजगंज, लखीमपुर खीरी, सिद्धार्थनगर, संत कबीर नगर और बलरामपुर में 2–2 रिक्तियां हैं।शेष जनपदोंकृरामपुर, हरदोई, फिरोजाबाद, अम्बेडकरनगर, कुशीनगर, बहराइच, फर्रूखाबाद, चन्दौली, फतेहपुर, महोबा, चित्रकूट और श्रावस्ती में 1–1 प्रशिक्षण केन्द्र की स्थापना की जाएगी।परिवहन विभाग का यह कदम प्रदेश में प्रशिक्षित चालकों की संख्या बढ़ाने और सड़क सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

परिवहन निगम में अनुबंध विवादों के निस्तारण के लिए नई व्यवस्था

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश परिवहन निगम ने संविदा चालकों और परिचालकों के अनुबंध क्रियान्वयन से जुड़े विवादों के त्वरित निस्तारण के लिए महत्वपूर्ण बदलाव किया है। अब आर्बिट्रेशन समिति 5 सदस्यों के स्थान पर 3 सदस्यीय गठित की जाएगी।परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने बताया कि चालकों और परिचालकों की संविदा सेवा से जुड़े मामलों में लगातार बढ़ती शिकायतों और निस्तारण में हो रही देरी को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है। बड़ी संख्या में अनुबंध संबंधी प्रकरण लंबित होने के कारण समयबद्ध समाधान में कठिनाई आ रही थी।उन्होंने बताया कि पूर्व व्यवस्था के तहत आर्बिट्रेशन एक्ट–1996 की धारा 10(1) के अनुसार 5 सदस्यीय समिति का गठन किया जाता था, जिसमें क्षेत्रीय प्रबंधक, सेवा प्रबंधक, सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक (वित्त), क्षेत्र के वरिष्ठतम सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक और सहायक विधि अधिकारी शामिल होते थे।नई व्यवस्था के अनुसार अब क्षेत्रीय प्रबंधक के साथ उपरोक्त अधि

होली मिलन समारोह में गूंजे फाग गीत, बृजभूषण शरण सिंह ने किया शुभारंभ

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर,उत्तर प्रदेश के जौनपुर में तिलकधारी सिंह इंटर कॉलेज के सभागार में क्षत्रिय वैश्य समाज द्वारा आयोजित होली मिलन समारोह में रविवार को गोंडा के पूर्व विधायक बृजभूषण शरण सिंह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम में उनके आगमन पर समाज के लोगों ने जोरदार स्वागत किया। पूर्व विधायक का काफिला पुलिस लाइन से टीडी कॉलेज तक घोड़े और बैंड–बाजों के साथ पहुंचा, जिसने पूरे माहौल को उत्सवी बना दिया। कार्यक्रम स्थल पर पूर्व सांसद धनंजय सिंह, एमएलसी बृजेश सिंह सहित कई गणमान्य लोगों ने माल्यार्पण कर उनका स्वागत किया। होली मिलन समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि बृजभूषण शरण सिंह ने ठाकुर वंश के पूर्वज राजा शालीवाहन के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन कर किया। इस दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रमों की भी मनमोहक प्रस्तुति दी गई। कॉलेज के बच्चों ने स्वागत गीत और रंगारंग प्रस्तुतियों से माहौल को जीवंत कर दिया। कार्यक्रम के दौरान बृजभूषण शरण सिंह ने स्वयं भी पारंपरिक फागुन गीत गाकर उपस्थित लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। उनके गीतों ने होली की पारंपरिक छटा को जीवंत कर दिया, जिसे लोगों ने खूब सराहा। पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि यह होली मिलन समारोह पिछले आठ वर्षों से लगातार आयोजित हो रहा है, जिसमें सर्वसमाज की भागीदारी रहती है। उन्होंने इसे सामाजिक समरसता और पारंपरिक संस्कृति को जीवित रखने का प्रयास बताया। ईरान से जुड़े सवाल पर उन्होंने कहा कि देश में शांति और सुरक्षा बनी हुई है, जिससे लोग चौन की नींद सो रहे हैं। आगामी चुनाव को लेकर उन्होंने कहा कि उनका उद्देश्य राष्ट्र को जागरूक करना है और इसी दिशा में कार्य किया जा रहा है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समाज के लोग उपस्थित रहे और होली के रंग में सराबोर होकर एक–दूसरे को बधाई दी।

पुलिस मुठभेड़ में फायरिंग करने वाले दो बदमाश गिरफ्तार, एक घायल असलहा व बाइक बरामद

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में सुजानगंज थाना क्षेत्र में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। सुजानगंज और महराजगंज थाने की संयुक्त पुलिस टीम ने शनिवार को मुठभेड़ के दौरान जानलेवा फायरिंग करने वाले दो बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया। इस दौरान पुलिस की जवाबी कार्रवाई में एक आरोपी घायल हो गया। इस संबंध में जानकारी देते हुए अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण आतिश कुमार सिंह ने बताया कि पलारी गांव निवासी अनुज मिश्रा की तहरीर पर थाना सुजानगंज में मुकदमा दर्ज किया गया था। शिकायत में आरोप था कि प्रतीक दूबे और उसके साथियों ने घर के बाहर तथा चौराहे पर फायरिंग कर दहशत फैलाने की कोशिश की। मामले की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में टीम गठित कर आरोपियों की तलाश शुरू की गई। शनिवार को पुलिस को सूचना मिली कि आरोपी किसी बड़ी घटना की फिराक में हैं और प्रतापगढ़ बॉर्डर की ओर जा रहे हैं। इस पर सुजानगंज व महराजगंज पुलिस की संयुक्त टीम ने भोगीपुर–कठार के पास चेकिंग शुरू की। इसी दौरान एक मोटरसाइकिल पर सवार संदिग्ध युवक आते दिखाई दिए। पुलिस द्वारा रुकने का इशारा करने के बाद दोनों बदमाश अलग–अलग दिशाओं में भागने लगे। पीछा करने पर एक आरोपी ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी, जिससे पुलिसकर्मी बाल–बाल बच गए। आत्मरक्षा में पुलिस ने जवाबी फायरिंग की, जिसमें प्रतीक दूबे उर्फ अनुज (निवासी बिझवट, थाना महराजगंज) के पैर में गोली लग गई। उसे तत्काल उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। वहीं दूसरे आरोपी विनय दूबे (निवासी बिझवट) को पुलिस ने खेत में घेराबंदी कर गिरफ्तार कर लिया। दोनों के कब्जे से एक देशी पिस्टल, एक तमंचा, जिंदा व खोखा कारतूस (.32 व .315 बोर) तथा एक टीवीएस अपाची मोटरसाइकिल बरामद की गई। पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि वे अपने साथियों के साथ मिलकर क्षेत्र में दहशत फैलाने के उद्देश्य से फायरिंग करते थे। पुलिस अन्य फरार आरोपियों की तलाश में जुटी है। मामले में अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

गैस सिलिंडर बुकिंग का बैकलॉग कोटा खत्म होगा

लखनऊ, (संवाददाता)। ऑयल एवं गैस कंपनियों ने बुधवार को एलपीजी वितरकों के साथ बैठक कर बुकिंग वाले घरेलू गैस सिलिंडरों की आपूर्ति के बैकलॉग को खत्म करने के निर्देश दिए हैं। इसके लिए कंपनियां अतिरिक्त गैस सिलिंडरों की आपूर्ति करेंगी। उधर, ग्राहकों की बुकिंग का ग्राफ भी नीचे आ गया है। वर्तमान में आपूर्ति के मुकाबले चार गुना बुकिंग रह गई है जो गैस की किल्लत शुरू होने पर 10 गुना तक पहुंच गई थी। वितरकों ने बताया कि आम दिनों में एक एजेंसी के पास बुकिंग के जितने बैकलॉग रहते थे, उतने ही रहने चाहिए। इसके लिए ऑयल कंपनियों ने सभी वितरकों से बैकलॉग का विवरण तलब किया है। इस विवरण के आधार पर वितरकों को गैस सिलिंडर की आपूर्ति की जाएगी। छोटे वितरकों के पास पहले 500 और बड़ी एजेंसियों के पास 1000 गैस सिलिंडर तक का बैकलॉग रहता था। वितरकों ने बताया कि वर्तमान में रोजाना जितने गैस सिलिंडरों की आपूर्ति हो रही, उसके मुकाबले करीब चार गुना ग्राहक बुकिंग करा रहे हैं। ऑयल कंपनियों की तरफ से व्यावसायिक ग्राहकों को अभी कोई राहत नहीं दी जा रही है। वर्तमान में शैक्षिक, स्वयंसेवी संस्था और सरकारी अस्पतालों को ही कुछ कटौती के साथ गैस सिलिंडरों की आपूर्ति की जा रही है। अन्य व्यावसायिक ग्राहकों को निकट भविष्य में राहत मिलेगी, इसके संकेत भी नहीं हैं। कंपनियों और वितरकों की बैठक में तय हुआ है कि घरेलू उपभोक्ताओं को उनके बुकिंग के सिलिंडर देकर बैकलॉग को खत्म किया जाएगा। उम्मीद है कि हफ्ते भर के भीतर घरेलू गैस की किल्लत पूरी तरह से सामान्य हो जाएगी।

रोजगार दो, सामाजिक न्याय दो' पदयात्रा का ऐलान, संजय सिंह ने सरकार पर बोला हमला

लखनऊ, (संवाददाता)। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने गुरुवार को लखनऊ स्थित पार्टी मुख्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में उत्तर प्रदेश में बढ़ती बेरोजगारी, गैस संकट और केंद्र सरकार की नीतियों पर तीखा हमला बोला। इस दौरान उन्होंने 3 अप्रैल से शुरू होने वाली 'रोजगार दो, सामाजिक न्याय दो' पदयात्रा के चौथे चरण का ऐलान किया उन्होंने बताया कि करीब 100 किलोमीटर लंबी यह पदयात्रा आगरा के शहीद स्मारक, संजय पैलेस से शुरू होकर हाथरस होते हुए मथुरा में 9 अप्रैल को समाप्त होगी। यात्रा के दौरान जगह–जगह नुक्कड़ सभाएं, स्वागत कार्यक्रम और जनसभाएं आयोजित की जाएंगी।संजय सिंह ने कहा कि यह पदयात्रा नफरत की राजनीति के खिलाफ मोहब्बत और भाईचारे का संदेश देने के लिए निकाली जा रही है। उन्होंने कहा कि आगरा से शुरू होकर भगवान कृष्ण की नगरी मथुरा तक यह यात्रा समाज को जोड़ने का काम करेगी और प्रेम, न्याय तथा समानता का संदेश देगी।उन्होंने प्रदेश में बेरोजगारी को सबसे बड़ा मुद्दा बताते हुए कहा कि नौजवानों का भविष्य अंधकार में है। रोजगार की मांग करने पर युवाओं को लाठीचार्ज और मुकदमों का सामना करना पड़ रहा है। आम आदमी पार्टी इस पदयात्रा के जरिए रोजगार और सामाजिक न्याय के सवाल को पूरे प्रदेश में प्रमुखता से उठाएगी।गैस संकट को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि देशभर में लोग गैस सिलेंडर के लिए लंबी कतारों में खड़े हैं और कई जगहों पर अव्यवस्था की स्थिति बनी हुई है। उन्होंने आरोप लगाया कि कई बड़े शहरों में होटल और ढाबे बंद हो रहे हैं, जबकि सरकार इस समस्या को नजरअंदाज कर रही है।संजय सिंह ने कहा कि गैस बुकिंग में लंबा इंतजार करना पड़ रहा है और कालाबाजारी भी बढ़ रही है। इसके बावजूद यदि आम आदमी पार्टी जनता की समस्याओं को लेकर प्रदर्शन करती है तो कार्यकर्ताओं पर मुकदमे दर्ज किए जाते हैं। उन्होंने उन्नाव में पार्टी कार्यकर्ताओं पर दर्ज मामलों को फर्जी बताते हुए उन्हें वापस लेने की मांग की।विदेश नीति पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने नरेंद्र मोदी सरकार पर आरोप लगाया कि गलत नीतियों के कारण देश को महंगा तेल और गैस खरीदना पड़ रहा है, जिससे आम जनता पर आर्थिक बोझ बढ़ा है।

सरकार के 9 वर्ष पूर्ण होने पर महिला स्वावलंबन कार्यक्रम, 9 स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को आर्थिक सहायता

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में उत्तर प्रदेश सरकार के नौ वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर जनपद में महिला स्वावलंबन, सम्मान और सुरक्षा को समर्पित एक विशेष कार्यक्रम शनिवार को आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र ने 'वेदिका फूड्स' के सहयोग से स्वयं सहायता समूहों की नौ महिलाओं को 20–20 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान कर सम्मानित किया। कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) से जुड़ी महिलाओं द्वारा फीता काटकर किया गया। इसके बाद जिलाधिकारी, स्वयं सहायता समूह की महिलाओं तथा बीसी सखियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। सम्मानित की गई महिलाओं में सृजन समूह की सुनिधि चौहान, ई–देवी समूह की सुनीता पाल, सत्यजीत समूह की रामरती, तुलसी आजीविका समूह की बल्ली, लक्ष्मी समूह की रंजना पाल, कृष्णा समूह की रीमा सिंह, शीतला समूह की शोभावती, दुर्गा समूह की सीमा तथा गंगा समूह की संगीता शामिल रहीं। ये महिलाएं 'वेदिका फूड्स' के माध्यम से गोबर से निर्मित पर्यावरण अनुकूल उत्पाद जैसे दीये, गमले, हवन सामग्री और कंडे तैयार कर रही हैं। उनके इस कार्य से न केवल पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिल रहा है, बल्कि वे आत्मनिर्भरता की दिशा में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। नवरात्रि के अवसर पर उन्हें विशेष रूप से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश ने पिछले नौ वर्षों में शिक्षा, स्वास्थ्य, उद्योग और आधारभूत संरचना के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। उन्होंने स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे प्रयास ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस अवसर पर स्थानीय उत्पादों की प्रदर्शनी भी लगाई गई, जिसका जिलाधिकारी ने अवलोकन कर महिलाओं के कार्य की प्रशंसा की। 'वेदिका फूड्स' द्वारा समूहों को बाजार उपलब्ध कराने की पहल को भी सराहनीय बताया गया।

शैलपुत्री के चरणों में नतमस्तक हुई राजधानी

लखनऊ, (संवाददाता)। चौत्र नवरात्र के पहले दिन बृहस्पतिवार को राजधानी भक्ति के रंग में सराबोर नजर आई। शहर के प्राचीन और सिद्ध शक्तिपीठों में तड़के तीन बजे से ही श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगनी शुरू हो गईं। हर कोई मां शैलपुत्री के चरणों में शीश झुकाते दिखा। भक्ति गीतों, घंटों की गूंज और धूप–दीप की सुगंध से वातावरण पूरी तरह भक्तिमय हो गया। घरों और मंदिरों में विधि–विधान से कलश स्थापना के साथ नवरात्र व्रत का शुभारंभ हुआ। चौक स्थित बड़ी काली जी मंदिर में सुबह से ही धार्मिक अनुष्ठानों की शुरुआत हो गई। भोर की पहली किरण के साथ ही श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचने लगे, जो देर रात तक जारी रहा। नवरात्र के प्रथम दिन मां का आकर्षक शृंगार फलों से किया गया। बोधगया मठ से आए महंत मुकुंद मिश्रा ने कलश स्थापना कर पूजा–अर्चना संपन्न कराई। शाम को भजन संध्या में भक्तों ने मां की महिमा का गुणगान किया, जिसके बाद रात नौ बजे 56 भोग अर्पित कर महाआरती हुई। ज्वाला देवी की ज्योति के दर्शन को उमड़ा जनसैलाब शास्त्रीनगर स्थित श्री दुर्गा जी मंदिर में कलश स्थापना के साथ मां ज्वाला देवी की ज्योति की विशेष आराधना की गई। जम्मू स्थित ज्वाला देवी मंदिर से लाई गई पावन ज्योति के दर्शन के लिए भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी। मंदिर को इस बार दक्षिण भारतीय शैली के फूलों से सजाया गया, जिसने श्रद्धालुओं को आकर्षित किया।

झांसी लिंक एक्सप्रेसवे के लिए 1190 करोड़ रुपये स्वीकृत

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश सरकार ने वित्तीय वर्ष 2025–26 में झांसी लिंक एक्सप्रेसवे परियोजना के लिए पुनर्विनियोग के माध्यम से 11 अरब 90 करोड़ रुपये की धनराशि स्वीकृत की है। इस फैसले से परियोजना के तहत भूमि अधिग्रहण कार्य में तेजी आने की उम्मीद है।जारी आदेश के अनुसार जालौन के जिलाधिकारी को 14,430 लाख रुपये तथा झांसी के जिलाधिकारी को 1,04,570 लाख रुपये की धनराशि स्वीकृत की गई है।औद्योगिक विकास विभाग द्वारा जारी आदेश में बताया गया है कि जालौन में 212.52 हेक्टेयर भूमि के लिए अनुमानित लागत 1,44,30,00,000 रुपये के सापेक्ष पूरी धनराशि अवमुक्त की गई है। वहीं झांसी में 1189.32 हेक्टेयर भूमि के लिए अनुमानित लागत 10,62,82,00,000 रुपये के सापेक्ष 10,45,70,00,000 रुपये जारी किए गए हैं।सरकार का उद्देश्य इस परियोजना के माध्यम से क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को मजबूत करना और बुंदेलखंड क्षेत्र के विकास को नई गति देना है। झांसी लिंक एक्सप्रेसवे के निर्माण से परिवहन सुविधाएं बेहतर होंगी और आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा।

45 पूर्व सैनिक बनाए गए प्वॉइंट्समैन, ट्रेन संचालन में देंगे योगदान

लखनऊ, (संवाददाता)। लखनऊ मंडल के स्टेशनों पर 45 पूर्व सैनिकों को पॉइंट्समैन बनाया गया है। ये सभी ट्रेनों के संचालन में योगदान देंगे। जनसंपर्क अधिकारी महेश गुप्ता ने बताया कि शंटिंग, ट्रेन पायलटिंग तथा स्टेशन मास्टर को दैनिक ट्रेन संचालन में मदद के काम का सफलतापूर्वक प्रशिक्षण पूरा करने वाले पूर्व सैनिकों को प्रमाणपत्र दिए गए। मंडल रेल प्रबंधक गौरव अग्रवाल ने बताया कि लखनऊ मंडल पहला ऐसा मंडल बना, जहां पूर्व सैनिकों को रेलवे में नियुक्तियां दी गई हैं। आर्मी वेलफेयर प्लेसमेंट ऑर्गनाइजेशन के अधिकारियों ने इसके लिए रेलवे का आभार जताया।

गोमती तट पर भक्ति और संस्कृति की गूंज

लखनऊ, (संवाददाता)। कुड़ियाघाट पर बृहस्पतिवार को भारतीय संस्कृति की अनुपम छटा बिखरी। गोमती तट पर भक्ति और संस्कृति की मधुर गूंज के बीच 'नवसंवत्सर महोत्सव' में सूर्यार्घ्य अर्पित कर भारतीय नववर्ष 2083 का भव्य स्वागत किया गया। चौत्र शुक्ल प्रतिपदा के अवसर पर गंगा समग्र, गोमती दर्शन और नवसंवत्सर जन कल्याण न्यास के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में कला और अध्यात्म का सुंदर संगम देखने को मिला। शास्त्रीय गायन और कथक नृत्य की प्रस्तुतियों ने मंत्रमुग्ध कर दिया। भजनों की सुरमयी प्रस्तुतियों ने माहौल को और भी आध्यात्मिक बना दिया। अभियान संरक्षक विजय दीक्षित की पुस्तक 'राजनीति नहीं, सिर्फ राष्ट्रनीति' का विमोचन किया गया। कार्यक्रम में एमएलसी पवन सिंह चौहान, संदीप बंसल, संयोजक अनुराग पांडेय, प्रवीण त्रिपाठी, विजय कुमार दीक्षित, उदय भानु सिंह, संजय रस्तोगी, डॉ. पूनम श्रीवास्तव और श्वेता सिंह समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

होम–स्टे संचालकों के लिए 5 दिवसीय प्रशिक्षण

लखनऊ, (संवाददाता)।,उत्तर प्रदेश में पर्यटन को बढ़ावा देने की दिशा में एक अहम पहल करते हुए पर्यटन विभाग के अंतर्गत संचालित मान्यवर कांशीराम इंस्टीट्यूट ऑफ टूरिज्म मैनेजमेंट में प्रदेशभर से आए होम–स्टे संचालकों के लिए पांच दिवसीय उद्यमिता विकास कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। 16 से 20 मार्च तक चलने वाले इस प्रशिक्षण में 31 प्रतिभागियों को होम–स्टे संचालन, आधुनिक पर्यटन कौशल और बेहतर आतिथ्य सेवाओं की विस्तृत जानकारी दी जा रही है।पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि प्रदेश सरकार पर्यटन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए नवाचार और कौशल विकास पर विशेष जोर दे रही है। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम होम–स्टे संचालकों को आत्मनिर्भर बनाने के साथ–साथ ग्रामीण पर्यटन को सशक्त कर स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करेगा।प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को होम–स्टे की अवधारणा, उसके महत्व और प्रभावी संचालन की तकनीकों के बारे में जानकारी दी जा रही है। कम लागत में बेहतर होम–स्टे विकसित करने, टैरिफ प्लान, बजट प्रबंधन और लागत नियंत्रण जैसे विषयों पर विशेष सत्र आयोजित किए गए। इसके साथ ही समस्या समाधान, सेवा सुधार, रखरखाव और इंटीरियर साज–सज्जा के पहलुओं पर भी प्रशिक्षण दिया गया। ग्रामीण पर्यटन को आधुनिक स्वरूप देने के उद्देश्य से प्रतिभागियों को सोशल मीडिया उपयोग।

नव दिवसीय राम कथा के आयोजन की तैयारी जोर-जोर से शुरू

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या। चौबेपुर में नव दिवसीय श्री राम कथा के आयोजन की तैयारियां जोर–शोर से शुरू हो गई।कार्यक्रम मे भारी संख्या में राम भक्तों की भीड़ जुटाने के लिए आयोजन समिति के लोग गांव गांव घर–घर जनसंपर्क के लिए लग गए हैं।कथा की शुरुआत आगामी 26 मार्च दिन गुरुवार से होगी।संगीत कथा का रसास्वाद राम भक्तों को अंतरराष्ट्रीय कथावाचक शिवम शुक्ला जी महाराज करायेगे। बताते चले जिले के थाना क्षेत्र हैदरगंज मे आयोजित होने वाली कथा के आयोजक समिति के संयोजक इंजीनियर रोहित कुमार चौबे ने बताया कि कथा के प्रचार प्रसार हेतु एक बैठक का आयोजन किया गया । जिसकी अध्यक्षता पूर्व मंडल अध्यक्ष भाजपा के वरिष्ठ नेता महेंद्र मिश्रा और संचालन राहुल कुमार चौबे द्वारा किया गया।इस मौके पर क्षेत्र के मौजूद धीरेंद्र दुबे, लल्लू दुबे, हिमांशु पांडेय, रामचंद्र तिवारी, लोकनाथ दुबे, कुलदीप पांडेय, वशिष्ठ दुबे, प्रभात पांडेय, गुड्डू साहू, नरेंद्र पांडेय, जवाहर सिंह, राकेश दुबे, श्याम नारायण मिश्र, अशोक कुमार चौबे, सुनील कुमार सोनू, राजेंद्र दुबे, केडी पांडेय आदि सहित मौजूद लोगों ने थाना क्षेत्र हैदरगंज, थाना क्षेत्र भीटी और थाना क्षेत्र तारुन के क्षेत्रो में घर–घर जाकर पत्रक वितरण करने को तय किया।और राम कथा में आने का निमंत्रण भी देने में लगे हैं ।तो वही कथा मंडप स्थल की व्यवस्था के लिए शैलेंद्र चौबे, राजेंद्र चौबे, सोनू चौबे, पंकज दुबे, दीपक पांडेय, चंदन व्यास सूरज की टीम पूरी तन्मयता के साथ लगी है।मुख्य व्यवस्थापक नीरज पाठक शास्त्री नेतृत्व मे और मुख्य यजमान के रूप में अशोक चौबे और श्रीमती अंतिमा चौबे होगी।इस राम कथा को लेकर क्षेत्र के भक्तों में उत्साह का माहौल बना हुआ है ।

सरायरासी में चल रहा श्री राम कथा महोत्सव मे दिखा भक्ति आस्था और श्रद्धा का संगम

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या। अयोध्या धाम की पावन धरती पर ग्रामसभा सरायरासी में आयोजित श्री राम कथा महोत्सव मे भक्ति, आस्था और श्रद्धा का अद्भुत संगम देखने को मिला।इस मौके पर पूज्य स्वामी गोविन्द देव गिरी जी महाराज के श्रीमुख से मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम की कथा श्रवण कर समस्त श्रद्धालु भाव–विभोर हो गए।इस दिव्य अवसर पर पधारे भूपेन्द्र चौधरी पूर्व प्रदेश अध्यक्ष भाजपा,चंपत राय महासचिव (राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र),सतीश गौतम सांसद अलीगढ़,अंगद सिंह एमएलसी बाराबंकी,रमाशंकर सिंह पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष अंबेडकर नगर, विजय विक्रम सिंह सदस्य पूर्वांचल विकास बोर्ड उत्तर प्रदेश सरकार,पूज्य महंत जन्मेजय शरण दास जी महाराज बड़ा स्थान जानकी घाट ,पूज्य महंत भरत दास जी महाराज उदासीन आश्रम, महंत बलराम दास जी हनुमानगढ़ी, महंत श्रीधराचार्य जी महाराज, महंत श्री गिरीश दास जी महाराज डांडिया मंदिर , महंत बृजमोहन दास जी महाराज, महंत छविराम दास जी महाराज बड़े हनुमान जी, पूज्य महंत धर्मदास जी महाराज हनुमानगढी, पूज्य महंत मनीष दास जी महाराज पत्थर मंदिर, पूज्य महंत धनुषधारी दास जी महाराज हनुमानगढी, पूज्य महंत श्री लवकुश दास जी महाराज ,पूज्य महंत श्री अभय दास जी महाराज हनुमानगढ़ी, पुजारी मोहित दास जी महंत जयराम दास जी महाराज (श्रीराम आश्रम) नि. वर्तमान महानगर अध्यक्ष अभिषेक मिश्रा जी , महंत श्यामसुंदर दास जी महाराज (जायसवाल मंदिर), महंत राम मिलन शरण दास जी महाराज, आचार्य मांडवी अनुचरी, महंत आचार्य सीताराम दास जी महाराजय महंत राम नवल दास जी महाराज ,महंत प्रेम दास जी महाराज, महंत रामानुज शरण ब्रह्मचारी जी पूज्य महंत मुरली दास जी महाराज पूज्य महंत राजेश दास जी महाराज ,पूज्य महंत अनिरुद्ध दास जी महाराज, पूज्य महंत आशीष दास जी, पूज्य महंत शुभम दास जी, पूज्य महंत राजेंद्र दास जी, डॉ स्वामी प्रसाद जी, मं. अभिषेक दास जी, पूज्य महंत रामभद्र दास जी कथा श्रवण करने आए सभी महंत ,अतिथियों ने आकर राम कथा का अनुसरण किया।

शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक कड़ी सुरक्षा के बीच मनी ईद उल फितर का त्यौहार

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या। शहर से लेकर ग्रामीण आंचलों तक ईदगाहों पर ईद–उल–फितर का त्योहार इस बार कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल में मनाया गया। सिविल लाइन स्थित ईदगाह में सुबह से ही नमाजियों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी।बढ़ती भीड़ को देखते हुए जिला प्रशासन ने ईदगाह के साथ–साथ राम पथ पर भी नमाज अदा कराने की विशेष व्यवस्था की।सांसद अवधेश प्रसाद, पूर्व राज्य मंत्री पवन पांडेय समेत अन्य सपा के नेताओं व नमाजियों से गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी। इस मौके पर शहर इमाम मौलाना समसुल कादरी ने नमाज के बाद देश में अमन–चौन और विश्व शांति के लिए दुआ की। उन्होंने कहा कि सभी को मिलजुल कर रहना चाहिए और एक–दूसरे की खुशियों में शामिल होना चाहिए।उन्होंने वैश्विक तनाव पर चिंता जताते हुए कहा कि देशों को टकराव से बचते हुए अपनी नीतियां तय करनी चाहिए।रुदौली क्षेत्र में ईद–उल–फितर की नमाज सकुशल एवं शांतिपूर्ण माहौल में अदा की गई।इसके अलावा शहर के कई ईदगाहों पर कई सुरक्षा व्यवस्था के बाद नमाजियों ने नमाज अदाकार ईद के मौके पर एक दूसरे को बधाई दिया वहीं इस मौके पर सुरक्षा के कारण इंतजाम रहे सुरक्षा को लेकर एसपी सिटी चक्रपाणि त्रिपाठी, सीओ सिटी श्रीयस त्रिपाठी, प्रभारी निरीक्षक कोतवाली नगर अश्वनी पांडे सहित अन्य पुलिसकर्मी मौजूद रहे।इस मौके पर ईदगाहों में सुबह से ही नमाजियों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। लोगों ने पूरी अकीदत के साथ नमाज अदा कर मुल्क की सलामती, खुशहाली और अमन–चौन के लिए दुआएं मांगीं।रूदौली, भेलसर, मवई, बाबा बाजार और पटरंगा सहित क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर ईद की नमाज अदा की गई। सुबह मौसम कुछ खराब रहने के बावजूद नमाजियों के उत्साह में कोई कमी नहीं दिखी।हल्की असुविधाओं के बीच भी लोग बड़ी संख्या में ईदगाहों तक पहुंचे और नमाज अदा की।ईद के मौके पर सुरक्षा व्यवस्था के कड़े इंतजाम किए गए थे।सभी प्रमुख ईदगाहों पर पुलिस प्रशासन की पैनी नजर रही और और भारी संख्या में सुरक्षाकर्मी तैनात रहे जिसकी कमान एसपी ग्रामीण बलवंत चौधरी, एडीएम (ई), एसडीएम संतोष कुमार सिंह, सीओ रुदौली आशीष निगम एवं प्रभारी निरीक्षक कोतवाली रुदौली संजय मौर्य समेत प्रशासनिक अधिकारी लगातार क्षेत्र में भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते रहे।वही ईदुल फित्र की नमाज शनिवार को मया बाजार के ईदगाह में सुबह 8रू00 बजे अदा की गयी। ईदुल फित्र की नमाज मया बाजार नूरानी जामा मस्जिद के पेश इमाम हजरत मौलाना मोहम्मद मुस्तकीम कादरी ने पढ़ाई।और सदकये फित्र के बारे में बयानात पेश करते हुये सदकये फित्र की रकम को गरीबों, मिस्कीनों ,बेवाओं वा अपने आसपास के मदरसे में देने की बात कहीं। क्योंकि सदकये फित्र की रकम पर गरीबों, मिस्कीनों और बेवाओं का हक हुआ करता हैं।इस अवसर पर मास्टर मुबारक अली इदरीशी,मोहम्मद कैफ इदरीशी, आशिक अली,अरमान अली, शौकत अली, इमरान अन्सारी, कैफ अन्सारी, मुअज्जिन वजहुल जमा,पीर अहमद,मोहम्मद साजिद, शोएब अन्सारी, वा चाँद बाबू सहित बड़ी संख्या में लोगों ने मुल्क में अमन – चौन कायम रहने वा मुल्क की सलामती के लिये दुआयें मांगी। इसके अलावा सर्किल मिल्कीपुर, बीकापुर सदर के सभी थाना क्षेत्रों मे ईद सकुशल संपन्न हुई।

14 से 15 वर्ष की बालिकाओं को कैंसर का निःशुल्क टीका लगाया जायेगा - डा0भावनाथ पाण्डेय’

‘स्वास्थ्य विभाग से मिलने वाली सुविधाओं से ग्रामवासियों को जागरूक करें:–डा0 पंकज मिश्रा’

‘रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव’

‘हरदोई’ प्रदेश सरकार के नव निर्माण के 9 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर रविवार को 9 दिवसीय कार्यक्रम में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की ओर से कार्यक्रम का आयोजन गांधी भवन सभागार में किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित आशाओं को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि परियोजना निदेशक (डीआरडीए) अशोक कुमार मौर्य ने कहा कि चिकित्सा विभाग में आशाएं महिला सशक्तीकरण की मिशाल है जो ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं के प्रसव एवं अन्य स्वास्थ्य संबंधी व्यवस्थाओं के लिए 24 घंटे सेवा प्रदान करती है। उन्होंने कहा कि आशाएं अपने आचारण तथा व्यवहार से लोगों में अपनी पहचान बनाये रखें और निडर होकर अपने कार्यो को पूरे मनोयोग के साथ करें ताकि कोई किसी प्रकार की आलोचना न कर सके। कार्यक्रम में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 भावनाथ पाण्डेय ने कहा कि आगामी एक अप्रैल 2026 से संचारी रोग एवं दस्तक अभियान प्रारम्भ हो रहा है और इस अभियान में आशा घर–घर जाकर एक से पांच वर्ष तक के बच्चों, महिलाओं, बूढ़े जो बुखार से पीड़ित है पहचान कर उनकों तत्काल निकट के स्वास्थ्य केन्द्र लेकर जांच कराये तथा उचित दवायें उपलब्ध करायें। उन्होंने कहा इस दौरान महिलाओं में होने वाले कैंसर की रोकथाम के लिए 14 से 15 वर्ष की बालिकाओं को कैंसर का निःशुल्क टीकाकरण किया जायेगा। सीएमओ ने कहा कि वर्तमान में मानसिक रोगी बहुत तेजी से बढ़ रहे है और ग्रामीण क्षेत्र के ऐसे मरीजों के संबंधा में आशायें तत्काल टोल फी नम्बर–14416 पर बात करें और मानसिक रोगी को सलाह एवं उपचार उपलब्ध करायें। कार्यक्रम में उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 पंकज मिश्रा ने आशाओं की सराहना करते हुए कहा कि स्त्री समाज की सृजनकर्ता होती है और ग्रामीण क्षेत्रों में आप लोगों ने टीवी, टीकाकरण, कुपोषण, अंधता निवारण, महिलाओं के प्रसव आदि स्वास्थ्य विभाग के कार्यो में महत्वपूर्ण भूमिका रहती है और इसका सभी के द्वारा सफलता निभाया जाता है। उन्होंने कहा कि अपने क्षेत्र के अति कुपोषित बच्चों को तत्काल एनआरसी पर भर्ती कराकर उनका निर्धारित समय तक ईलाज करायें तथा स्वास्थ्य विभाग से मिलने वाली सुविधाओं के सम्बन्धा में ग्रामवासियों को जागरूक करें। कार्यक्रम का संचालन विवेक मिश्रा ने किया और इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग के चिकित्सक एवं आशायें उपस्थित रही।

‘ट्रांसफार्मरों से तेल चोरी करने वाला शातिर पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार’

‘रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव’

‘हरदोई’ जनपद में लगातार हो रही ट्रांसफार्मरों से तेल चोरी की घटनाओं का पुलिस ने सफल खुलासा करते हुए एक शातिर अभियुक्त को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के कब्जे से नगदी, अवैध असलहा, कार, मोबाइल व ट्रांसफार्मर से चोरी किया गया तेल बरामद किया गया है। पुलिस के अनुसार, थाना पाली, पचदेवरा व बिलग्राम क्षेत्रों में बीते दिनों कई निजी नलकूपों के विद्युत ट्रांसफार्मरों से तेल चोरी की घटनाएं सामने आई थीं। इन मामलों में संबंधित अवर अभियंताओं की तहरीर पर अलग–अलग मुकदमें पंजीकृत किए गए थे। घटनाओं की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अपर पुलिस अधीक्षक शाहाबाद के नेतृत्व में टीमों का गठन किया गया। रविवार को थाना पाली व पचदेवरा की संयुक्त पुलिस टीम मुड़रामऊ भरखनी क्षेत्र के गैहाई चौराहे के पास संदिग्ध वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान एक स्विफ्ट कार को रोकने का प्रयास किया गया, लेकिन चालक द्वारा भागने का प्रयास किया गया। पुलिस द्वारा पीछा करने पर आरोपी ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। आत्मरक्षा में पुलिस द्वारा की गई जवाबी फायरिंग में आरोपी के पैर में गोली लग गई, जिससे वह घायल हो गया। घायल अभियुक्त की पहचान कुलदीप उर्फ गब्बर पुत्र श्रवण सिंह निवासी ग्राम बासमई थाना नवाबगंज जनपद फर्रुखाबाद के रूप में हुई है, जिसे मौके से गिरफ्तार कर लिया गया। उसके कब्जे से कुछ रूपये, एक अवैध तमंचा व जिंदा कारतूसव एक खोखा, एक चार पहिया वाहन, मोबाइल फोन, ट्रांसफार्मर से चोरी किया गया तेल, ट्रांसफार्मर खोलने वाले उपकरण आदि बरामद किए गये हैं। घायल अभियुक्त को उपचार हेतु अस्पताल भेज दिया गया है। पुलिस अन्य संभावित साथियों की तलाश में जुटी है तथा अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जा रही है। अपर पुलिस अधीक्षक शाहाबाद आलोक राज नारायण ने बताया कि यह एक बड़ी सफलता है। ट्रांसफार्मर से तेल चोरी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया गया है। गिरफ्तार अभियुक्त से पूछताछ की जा रही है, जल्द ही अन्य साथियों को भी गिरफ्तार किया जायेगा।

सूचना विभाग द्वारा आयोजित प्रदर्शनी का महापौर ने किया उद्घाटन

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या। प्रदेश सरकार के नव निर्माण के 9 वर्ष तथा केंद्र सरकार के 11 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर जन कल्याण कारी योजनाओं एवं उपलब्धियों पर आधारित सूचना विभाग द्वारा आयोजित प्रदर्शनी का सर्किट हाउस, अयोध्या में किया गया।प्रदर्शनी का उद्घाटन मुख्य अतिथि महापौर अयोध्या महंत गिरीशपति त्रिपाठी जी द्वारा किया गया।उद्घाटन के पश्चात मा0 महापौर ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया और विभिन्न विभागों की संचालित योजनाओं एवं विकास कार्यों की जानकारी प्राप्त की। प्रदर्शनी में सरकार द्वारा बीते वर्षों में किए गए कार्यों को चित्रों, चार्ट्स एवं डिजिटल माध्यमों के जरिए आकर्षक ढंग से प्रस्तुत किया गया, जिससे आमजन को योजनाओं की विस्तृत जानकारी मिल सके।कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के प्रत्येक वर्ग तक प्रभावी रूप से पहुंच रहा है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में आधारभूत संरचना के क्षेत्र में अभूतपूर्व विकास हुआ है, जिसके अंतर्गत सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा एवं अन्य बुनियादी सुविधाओं का व्यापक विस्तार किया गया।कहा कि महिलाओं के सशक्तिकरण हेतु अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं, जिससे उन्हें आत्मनिर्भर बनने का अवसर मिल रहा है।साथ ही प्रदेश में कानून व्यवस्था की स्थिति में भी उल्लेखनीय सुधार हुआ है, जिससे आमजन में सुरक्षा की भावना सुदृढ़ हुई है। इस अवसर पर उपक्रम समिति के सदस्यों ने भी प्रदर्शनी का अवलोकन किया।इस अवसर पर जिला सूचना अधिकारी अनुराग रंजन के अलावा अन्य अधिकारी,कर्मी,जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

रेल फाटक की मांग को लेकर ग्रामीणों ने दिया धरना

(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। रेल फाटक की मांग को लेकर ग्रामीणों ने धरना दिया।धरने में ग्रामीणों के साथ–साथ क्षेत्र के जनप्रतिनिधि भी शामिल हुए। ग्रामीणों की आवाज को उठाने के लिए अब जनप्रतिनिधियों ने भी मोर्चा खोला। इस मौके पर बीकापुर तृतीय से जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि मोहम्मद मुस्लिम, जिला पंचायत सदस्य के भावी प्रत्याशी अखिलेश यादव,भाजपा के राजकुमार वर्मा रज्जू वर्मा के साथ सैकड़ों ग्रामीणों ने प्रदर्शन किया। धरना दे रहे ग्रामीणों ने बताया ने अयोध्या प्रयागराज रेल खंड पर मरुई सहाय सिंह के पास रेल फाटक न होने से लोगों को परेशानी हो रही है।रेल फाटक न होने से ग्रामीण 30 साल का दंश झेल रहे हैं। ग्रामीणों ने बताया कि यह रेलवे क्रॉसिंग मलेथू कनक रेलवे स्टेशन और खजुराहट के बीच में 23¤10 पर है।कई दशकों से ग्रामीणों की यह समस्या हो रही है। धरना दे रहे ग्रामीणों ने बताया कि अगर हमारी समस्या का समाधान नहीं हुआ तो वह आगामी चुनाव का बहिष्कार करेंगे।

घर में घुसकर किया हमला, चार घायल, 11 पर प्राथमिकी दर्ज

भदोही, (संवाददाता)। गहोरवां गांव में घर में घुसकर लोहे की राड व अन्य हथियारों से दबंगों ने एक परिवार पर हमला बोल दिया। हमले में चार लोग घायल हो गए। मारपीट पुरानी रंजिश के लिए हुई। पुलिस मामले में आठ नामजद सहित 11 लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करके जांच कर रही है। महोरवां गांव निवासी आदर्श सिंह ने बताया कि विपक्षियों से उनकी पुरानी रंजिश है। विपक्षी आदर्श उर्फ कल्लू सिंह, रितीक मिश्रा, आदर्श शुक्ला, रोहित मिश्र ने उसके मोबाइल पर कई बार फोन कर धमकी दी। कहा कि हम लोगों के खिलाफ जो प्राथमिकी दर्ज कराए हो वापस ले लो। आरोप लगाया कि 17 मार्च को वे प्रयागराज जा रहे थे। उत्कर्ष उर्फ आंशू निवासी गहोरवा ने उनकी रेकी की। आरोप लगाया कि विपक्षियों ने उन्हें छनौरा में घेर लिया। उस समय वह किसी तरह बच गया। इसके बाद अतुल पांडेय, आशीष शुक्ला, विनय मिश्र और तीन अज्ञात ने हॉकी, लोहे की रॉड और अन्य हथियारों को लेकर दलान में घूसे और चाचा रामबहादुर पर हमला बोल दिया।

ऋषभ पंत सहित आईपीएल की टीम ने किया प्रभु श्रीराम का किया दर्शन,पूजन

(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। श्रीराम जन्मभूमि मन्दिर में प्रभु श्रीराम का दर्शन करने इंडियन प्रीमियर लीग की टीम अयोध्या पहुंची।स्थापना के उपरान्त पहली बार श्रीराम यन्त्र के दर्शन का सौभाग्य ऋषभ पंत और उनके दल को मिला है। सभी ने श्रीरामलला, श्रीराम परिवार का दर्शन भी श्रद्धापूर्वक किया।ऋषभ

पंत लगभग पांच मिनट तक अलग बैठकर ध्यानमग्न भी हुए।दर्शन सहयोगी रजनीश शर्मा ने बताया कि बीस खिलाड़ियों के दल के साथ आईपीएल के स्वामी संजीव गोयनका,ऋषभ पंत,तेज गेंदबाज मयंक यादव, कोच राजकुमार शर्मा सहित सभी ने प्रभु श्रीराम के दर्शन किए।श्री शर्मा के अनुसार खिलाड़ियों का दल भोग आरती में भी सम्मिलित हुआ।व्यवस्था से सम्बद्ध वरिष्ठ विहिप पदाधिकारी गोपाल नागरकट्टे,राम शंकर यादवशटिन्नूश भी साथ थे।खिलाड़ी दल लखनऊ से आया था और वापस वहीं इकाना स्टेडियम गया।

पीआईबी के नेतृत्व में राजस्थान के पत्रकारों का अयोध्या भ्रमण, विकास कार्यों का लिया विस्तृत जायजा

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या)

अयोध्या। भारत सरकार की डेवलपमेंट कम्युनिकेशन एंड इंफॉर्मेशन डिसेमिनेशन योजना के अंतर्गत आयोजित मीडिया भ्रमण कार्यक्रम के तहत आज पत्र सूचना कार्यालय (पीआईबी) जयपुर के सहायक निदेशक अमित कनौजिया के नेतृत्व में तथा पीआईबी लखनऊ के समन्वय से राजस्थान से आए पत्रकारों के एक प्रतिनिधिमंडल ने अयोध्या का भ्रमण किया।भ्रमण के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने अयोध्या में संचालित विभिन्न विकास परियोजनाओं, आधारभूत अवसंरचना के विस्तार तथा शहरी सुविधाओं का व्यापक अवलोकन

किया। पत्रकारों ने प्रत्यक्ष रूप से देखा कि किस प्रकार अयोध्या को एक आधुनिक, सुव्यवस्थित एवं विश्वस्तरीय धार्मिक–पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। इस क्रम में सड़कों के चौड़ीकरण, शहर के सौंदर्यीकरण, यातायात प्रबंधन, स्वच्छता व्यवस्था तथा अन्य नागरिक सुविधाओं में किए गए उल्लेखनीय सुधारों की जानकारी भी प्राप्त की गई।इस अवसर पर प्रतिनिधिमंडल ने अयोध्या के जिलाधिकारी निखिल टीकाराम फुंडे से शिष्टाचार भेंट की। जिलाधिकारी ने अयोध्या में चल रही प्रमुख विकास परियोजनाओं, उनके प्रभावी क्रियान्वयन तथा जनसुविधाओं के सुदृढ़ीकरण हेतु किए जा रहे प्रयासों की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विकास कार्यों को तीव्र गति से आगे बढ़ाया जा रहा है, जिससे न केवल स्थानीय नागरिकों के जीवन स्तर में सुधार हो रहा है, बल्कि पर्यटन गतिविधियों को भी महत्वपूर्ण बढ़ावा मिल रहा है।

घरों में कलश स्थापना, मंदिरों में शृंगार, नवरात्रि में सजा मां का दरबार

भदोही, (संवाददाता)। चौत्र नवरात्र शुरुआत होते ही श्रद्धालुजन आदि शक्ति मां दुर्गा के भक्ति भाव में सराबोर हो गए। नवरात्र के पहले दिन बृहस्पतिवार को शहर से लेकर गांव तक के देवी मंदिरों में भक्ति और श्रद्धा, विश्वास का अद्भुत संयोग दिखा। स्नान ध्यान करके लोग मंदिर पहुंचे। नौ दिन की व्रती महिलाएं घर में कलश स्थापित करने के बाद मंदिर पहुंची। देवी मंदिरों पर करीब 55 से 60 हजार लोगों ने माता रानी के दरबार में मत्था टेका। ज्ञानपुर के घोपईल माता मंदिर, हरिहरनाथ मंदिर में विराजमान मां काली देवी, गोपीगंज के सदर मोहाल स्थित अति प्राचीन दुर्गा मंदिर, ज्ञानपुर ब्लॉक परिसर के प्राचीन चौरा माता मंदिर, पसियान मोहाल के मुंबा देवी मंदिर, नई बाजार के उत्तर फटका, चांदनी चौक, रैमलपुर, महबूबपुर सहित खमरियां, औराई, डेरवां के शितला माता मंदिर पर भोर से ही श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचे। मंदिर जय माता दी, शेरवाली मईया की जय, विंध्यवासिनी की जय, चौरा मईया के जयकारों से वातावरण भक्तिमय रहा। महिलाएं, पुरुष और बच्चे सभी पारंपरिक वेशभूषा में माता रानी के दर्शन पूजन किए। परिवार में सुख, समृद्ध की कामना की। दुर्गा सप्तशती का पाठ किया। पं. प्रदीप दुबे ने बताया कि नवरात्र में मां भगवती की आराधना का विशेष महत्व होता है, जो मां की पूजा से वंचित रह जाते हैं, उन्हें जीवन में इसका पछतावा होता है। मां की सच्चे मन से की गई भक्ति ही मनुष्य को भवसागर से पार लगाती है। चौरा माता मंदिर पर महिलाओं ने गाए मंगलगीत घर पर घट स्थापना करने के बाद बुजुर्ग महिलाएं और नौ दिन की व्रती महिलाएं गांव के चौरा माता मंदिर पर पहुंची। दर्शन करने के बाद महिलाएं देवी पचरा गया।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।